www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 88 | जौनपुर मंगलवार, 11 नवम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

सीधी भर्ती में मिली आयु सीमा में छूट

हरियाणा, (एजेंसी)। हरियाणा सरकार ने राज्य के मूल निवासी भूतपूर्व अग्निवीरों को सैन्य सेवा पूरी करने के बाद सीधी भर्ती के दौरान ऊपरी आयु सीमा में छूट देने का निर्णय लिया है, एक आधिकारिक बयान में कहा गया है। इस आशय का एक पत्र मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी किया गया है। सरकार के निर्णय के अनुसार, भूतपूर्व अग्निवीरों को ग्रुप श्बीश और ग्रुप श्सीश के पदों पर सीधी भर्ती के लिए निर्धारित ऊपरी आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट मिलेगी। इसके अतिरिक्त, भूतपूर्व अग्निवीरों के पहले बैच के सदस्यों को आयु सीमा में पाँच वर्ष की छूट मिलेगी। सभी विभागों, बोर्डों, निगमों, विश्वविद्यालयों और क्षेत्रीय कार्यालयों को इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। 17 जून को, भारत सरकार ने एक राजपत्र अधिसूचना जारी करके भारत सरकार (कार्य आवंटन) नियम, 1961 में संशोधन किया। यह संशोधन आधिकारिक तौर पर गृह मंत्रालय (एमएचए) को सशस्त्र बलों से अपने चार साल के कार्यकाल के बाद सेवानिवृत्त होने वाले अग्निवीरों के करियर की प्रगति के समन्वय और सुविधा प्रदान करने की जिम्मेदारी सौंपता है। राजपत्र अधिसूचना में कहा गया है, ष्संविधान के अनुच्छेद 77 के खंड (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति भारत सरकार (कार्य आवंटन) नियम, 1961 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं।ष अधिसूचना के अनुसार, गृह मंत्रालय नोडल मंत्रालय के रूप में कार्य करेगा।

फरीदाबाद से लाल किला तक, बम वाली कार का 11 घंटे का सफर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने लाल किले के पास हुए कार विस्फोट में शामिल हुंडई i20 का 11 घंटे का रूट मैप खंगाल लिया है, जिसमें आठ लोगों की मौत हुई थी। जाँच में कार के फरीदाबाद से लाल किला परिसर तक के सफर का पता चला है, और प्रारंभिक रिपोर्टों से यह फिदायीन हमला होने की आशंका जताई जा रही है। सीसीटीवी फुटेज और डंप डेटा के विश्लेषण से संदिग्ध की पहचान और उसके संभावित इरादों पर गहन जाँच जारी है, विशेषकर फरीदाबाद मॉड्यूल के भंडाफोड़ के संदर्भ में। दिल्ली पुलिस को मंगलवार को उस हुंडई प20 कार का 11 घंटे का रूट मैप मिल गया, जिसमें सोमवार शाम लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास विस्फोट हुआ था। कार विस्फोट में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। जाँच के दौरान पता चला कि कार 11 घंटे पहले फरीदाबाद से लाल किला के लिए निकली थी और यात्रा के दौरान कई जगहों से गुजरी थी। सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि कार को सबसे पहले सोमवार सुबह लगभग 7:30 बजे फरीदाबाद के एशियन अस्पताल के बाहर देखा गया था।

दिल्ली धमाके के दोषियों को जहन्नुम तक पहुचायां जाएगा : पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भूटान के दो दिवसीय दौरे पर गए प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में हुई कार विस्फोट की घटना पर दुख व्यक्त किया और साथ ही ये भी कहा कि इस घटना के जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री ने दिल्ली विस्फोट की घटना को साजिश करार दिया। उन्होंने ये भी कहा कि वे बीती रात जांच एजेंसियों के संपर्क में रहे और धमाके से जुड़ी जानकारी लेते रहे। सोमवार शाम दिल्ली में बम धमाका हुआ और पीएम मोदी तय कार्यक्रम के अनुसार, मंगलवार सुबह भूटान पहुंचे। यहीं उन्होंने दिल्ली विस्फोट की घटना पर बयान दिया। पीएम मोदी ने थिम्फू में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि श्आज मैं यहां बहुत भारी मन से आया हूं। कल शाम दिल्ली में हुई भयावह घटना ने सभी के मन को व्यथित कर दिया है। मैं पीड़ित परिवारों का दुख समझता हूं। आज पूरा देश उनके साथ खड़ा है। मैं कल रातभर इस घटना की जांच में जुटी सभी एजेंसियों के साथ, सभी महत्वपूर्ण लोगों के साथ संपर्क में था। हमारी एजेंसियां इस षड्यंत्र की तह तक जाएंगी। इसके पीछे के षड्यंत्रकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। सोमवार की शाम दिल्ली में लाल किले के नजदीक एक कार में हुए विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हैं। जांच एजेंसियां विस्फोट की जांच में जुटी हैं। शुरुआती जांच में पता चला है कि अमोनियम नाइट्रेट का इस्तेमाल कर धमाका गया। इससे पहले फरीदाबाद से जांच एजेंसियों ने एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और करीब तीन क्विंटल अमोनियम नाइट्रेट बरामद किया था। जांच एजेंसियों को शक है कि दिल्ली विस्फोट के तार भी फरीदाबाद के आतंकी मॉड्यूल से जुड़े हैं।

जो वंदे मातरम् का विरोध करते है उनके चेहरे पहचानिए : सीएम योगी

बाराबंकी, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जो वंदे मातरम का विरोध करते है उनके चेहरे पहचानिए। ये वही लोग है जो सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए पहली कतार में खड़े होते हैं। योगी ने कहा कि कांग्रेस तो चाहती ही नहीं थी कि लौह पुरुष सरदार पटेल का सम्मान हो। मुख्यमंत्री बाराबंकी के फतेहपुर कस्बे में सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती समारोह के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मंच पर आते ही उन्होंने सियावर रामचंद्र की जय के साथ संबोधन शुरू किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आपसी मनमुटाव हो सकता है। मगर राष्ट्रीय एकता की बात हो तो सब एक हों। मतभेद भूलें। मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर सुबह करीब 10:30 बजे फतेहपुर स्थित अस्थायी हेलीपैड पर उतरा जहां जिले के वरिष्ठ अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने आगमन के तुरंत बाद हेलीपैड के समीप स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इसके बाद वे कार्यक्रम स्थल की ओर रवाना हुए, जहां सरदार पटेल की जयंती पर आयोजित विशाल समारोह में मंच से संबोधित किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 1734 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें सड़क, शिक्षा, सिंचाई, स्वास्थ्य और औद्योगिक विकास से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। ।

दिल्ली धमाके के सभी पहलुओ की जांच होगी : अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि जांच अधिकारी लाल किले के पास हुए विस्फोट की जांच करते समय सभी विकल्प खुले रख रहे हैं. सोमवार शाम हुए विस्फोट में आठ लोगों की मौत हो गई थी. माना जा रहा है कि लालकिले ब्लास्ट को लेकर कल गृह मंत्रालय में बड़ी मीटिंग हो सकती है. मीटिंग की अध्यक्षता गृह मंत्रह अमित शाह करेंगे. बैठक में सुरक्षा से जुड़े तमाम आला अधिकारियों के मौजूद रहेंगे. अमित शाह ने लोक नायक जय प्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल जाकर घायलों से मुलाकात की. साथ ही वह उस जगह भी गए जहां पर ब्लास्ट हुआ था. शाह ने ब्लास्ट के बाद बताया कि ब्लास्ट शाम करीब सात बजे लाल किले के पास एक ट्रैफिक सिग्नल पर एक हुंडई आई20 कार में हुआ. इससे तीन–चार अन्य वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और पैदल यात्री तथा ऑटोरिक्शा में सवार लोग घायल हो गए. एलएनजेपी अस्पताल में कुछ घायलों से मिलने के बाद उन्होंने कहा कि जांचकर्ता सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं और किसी भी संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता. उन्होंने कहा कि विस्फोट में हुई लोगों की मौत को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता. गृह मंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना है.। यह पूछे जाने पर कि क्या यह आतंकवादी हमला था, शाह ने कहा, यह कहना मुश्किल है कि घटना का कारण क्या था. जब तक विस्फोट स्थल से बरामद नमूनों का फॉरेंसिक और एनएसजी द्वारा विश्लेषण नहीं किया जाता।

आतंक के समर्थकों के लिए देश में कोई जगह नहीं : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास सोमवार शाम हुए धमाके ने पूरे देश को हिला दिया। इस विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़ाकर 12 हो गई है, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। घटना के बाद दिल्ली पुलिस, एनआईए और फोरेंसिक टीमें मौके पर पहुंच गईं और इलाके को सील कर दिया गया है। दिल्ली के लाल किले के पास हुए कार ब्लास्ट को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि इस हादसे के जिम्मेदार लोगों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। राजनाथ सिंह ने कहा दिल्ली में कल हुई दुखद घटना में जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई है, उनके परिवारों के प्रति मैं गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। ईश्वर से प्रार्थना है कि शोक संतप्त परिवारों को इस कठिन समय में शक्ति और धैर्य प्रदान करें। उन्होंने आगे कहा देश की प्रमुख जांच एजेंसियां इस घटना की तेज और विस्तृत जांच कर रही हैं। बहुत जल्द जांच की रिपोर्ट जनता के सामने लाई जाएगी। मैं देशवासियों को भरोसा दिलाता हूं कि इस त्रासदी के दोषियों को किसी भी सूरत में छोड़ा नहीं जाएगा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस घटना को बहुत दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा सरकार ने इस घटना को बहुत गंभीरता से लिया है। जो भी इसके पीछे हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। इस देश में आतंक के समर्थकों के लिए कोई जगह नहीं है। मैं उन लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजन खोए हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' का बदला लेना चाहते थे आतंकी पूर्व बिहार मुख्यमंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के प्रमुख जीतन राम मांझी ने इस हमले को एक बड़ी साजिश बताया। गया में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा आतंकियों की नजर काफी समय से दिल्ली पर थी। आज वे अपने मकसद में कामयाब हो गए। यह हमला 'ऑपरेशन सिंदूर' का बदला लेने के लिए किया गया है। दिल्ली के लाल किले के पास हुए कार ब्लास्ट पर देशभर में शोक और आक्रोश का माहौल है। भारत के मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई ने सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों और पूरे विधि समुदाय की ओर से पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और इस घटना पर गहरी चिंता जताई।

तमिलनाडु के हित प्रभावित नहीं होंगे : सीएम सिद्धारमैया

बंगलूरू, (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को एक बार फिर मेकेदातु परियोजना पर जोर दिया। बंगलूरू में पानी की समस्या को हल करने के लिए यह कर्नाटक सरकार की महत्वकांक्षी योजना है और यही वजह है कि कर्नाटक सरकार इस पर खासा जोर दे रही है। हालांकि तमिलनाडु की आपत्ति के चलते इस पर सहमति नहीं बन पा रही है। मंगलवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने एक बार फिर से मेकेदातु परियोजना पर जोर दिया और साथ ही कहा कि इससे पड़ोसी राज्य तमिलनाडु के हित प्रभावित नहीं होंगे। सिद्धारमैया ने कहा कि इस साल कर्नाटक में भारी बारिश हुई है और तमिलनाडु को भी इस साल ज्यादा पानी मिलेगा। मंगलवार को मैसूर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि श्तमिलनाडु को सिर्फ 177 टीएमसी पानी ही दिया जाना चाहिए, लेकिन हमने 150 टीएमसी पानी अतिरिक्त दिया है। इसका मतलब ये है कि हमने तय कोटा का दोगुना पानी जारी किया। मेकेदातु जलाश्य परियोजना तमिलनाडु के हितों को नुकसान नहीं पहुंचाएगी। मेकेदातु परियोजना के तहत कर्नाटक के रामनगर जिले में कनकपुरा के पास एक जलाशय का निर्माण किया जाना है। यह जगह तमिलनाडु की सीमा पर और बंगलूरू से करीब 90 किलोमीटर दूर स्थित है। योजना के तहत कर्नाटक सरकार 99 मीटर ऊंचा, 735 मीटर लंबा कंक्रीट का बांध बनाना चाहती है। साथ ही यहां एक बिजलीघर का निर्माण भी होना है। मेकेदातु परियोजना के तहत 66 हजार टीएमसी पानी की क्षमता वाले जलाशय का निर्माण होगा। इससे बंगलूरू में पानी की समस्या दूर हो सकती है। इस परियोजना की लागत 14 हजार करोड़ रुपये बताई जा रही है। हालांकि तमिलनाडु की सरकार इस परियोजना का विरोध कर रही है। तमिलनाडु सरकार का कहना है कि मेकेदातु जलाशय कावेरी नदी के तमिलनाडु में मुक्त प्रवाह को बाधित करेगा। गौरतलब है कि कर्नाटक सरकार को मेकेदातु परियोजना के लिए तमिलनाडु सरकार की मंजूरी की जरूरत है। कावेरी नदी के जल बंटवारे को लेकर कावेरी न्यायाधिकरण और सर्वोच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कर्नाटक सरकार को कावेरी पर किसी भी परियोजना शुरू करने से पहले तमिलनाडु की मंजूरी लेना अनिवार्य कर दिया है।

सोचना होगा कि आखिरकार फैलियर कहां है इसके पीछे कौन : अखिलेश यादव

लखनऊ , (एजेंसी)। दिल्ली ब्लॉस्ट पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, देश के प्रधानमंत्री जी ने कहा है कि जो भी इसके पीछे है। उसके ऊपर कड़ी कार्रवाई होगी। ये घटना राजधानी में हुई। वो भी ऐसी जगह पर होना बहुत निंदनीय है। जिन्होंने यह घटना की है। उन पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। पूरा देश चाहता है कि आतंकवाद खत्म हो। इस तरह की घटनाएं भविष्य में ना हों। जो एजेंसी काम कर रही है। हमें उन पर भरोसा करना पड़ेगा। यह सोचना होगा कि आखिरकार फैलियर कहां हैं? इसके पीछे कौन था?। दिल्ली ब्लास्ट एक बेहद दुखद और गंभीर घटना है। इसकी हर पहलू से जांच की जाए। इस ब्लास्ट से देश की राजधानी में जो भय व्याप्त हुआ है, उससे जनता को उबारने के लिए तुरंत सुरक्षा प्रबंध किए जाएं। मृतकों के प्रति गहरी संवेदना। सभी घायलों का अच्छे से अच्छा इलाज सुनिश्चित किया जाए। अखिलेश यादव ने कहा, बिहार के हर एक मतदाता से अपील है कि वो अपने सुरक्षित वर्तमान और सुनहरे भविष्य के निर्माण के लिए अपना वोट डालने जरूर जाए। लोकतंत्र में वोट की शक्ति सर्वोपरि होती है। इसलिए अपना वोट डालिए और अपनी शक्ति पहचानिए।

राष्ट्रीय जल पुरस्कारों में महाराष्ट्र को शीर्ष सम्मान, 10 श्रेणियों में कुल 46 विजेता

नई दिल्ली, (एजेंसी)। साल 2024 के छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कारों की घोषणा कर दी गई है। सर्वश्रेष्ठ राज्य श्रेणी में महाराष्ट्र अग्रणी रहा है। सर्वोच्च सम्मान प्राप्त करने वाले महाराष्ट्र के बाद नंबर दो पर गुजरात और तीसरे पायदान पर हरियाणा का नाम है। जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा कि इन पुरस्कारों का मकसद देश भर में जल संरक्षण और प्रबंधन में उत्कृष्ट काम करने वाले राज्यों को मान्यता देना है। जल शक्ति मंत्रालय के तहत आने वाला जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग यह पुरस्कार देता है। संयुक्त पुरस्कार विजेताओं सहित 10 श्रेणियों में कुल 46 विजेताओं के नाम का एलान किया गया है। सरकार की तरफ से जारी बयान के मुताबिक चुनिंदा विजेताओं को एक प्रशस्ति पत्र, ट्रॉफी और नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। पाटिल ने बताया कि 18 नवंबर को आयोजित पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू विजेताओं को सम्मानित करेंगी। इससे पहले विगत 23 अक्तूबर, 2024 को राष्ट केंद्रीय जल आयोग और केंद्रीय भूजल बोर्ड ने जमीनी स्तर पर होने वाले काम का जायजा लेने के बाद रिपोर्ट बनाई। इसी आधार पर निर्णायक मंडल ने आवेदनों का मूल्यांकन किया। इसका मकसद जल संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाना और सरकार के श्जल समृद्ध भारतश दृष्टिकोण के अनुरूप जमीनी स्तर के प्रयासों को उजागर करना है। जल शक्ति मंत्रालय ने मंगलवार को जारी बयान में कहा, तेलंगाना जल संचय जन भागीदारी (जेएसजेबी) 1.0 पहल के तहत 5.2 लाख जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण कराया गया है। इस मामले में राज्य सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला बनकर उभरा है। जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने बताया कि इस पैमाने पर दूसरे नंबर पर छत्तीसगढ़ रहा जहां 4.05 लाख परियोजनाएं रहीं। राजस्थान 3.64 लाख संरचनाओं के साथ तीसरे स्थान पर रहा। जल शक्ति अभियान कैच द रेन अभियान के तहत इस वर्ष के पुरस्कारों में उत्तरी क्षेत्र से उत्तर प्रदेश का दबदबा रहा।

जयराम रमेश ने दिल्ली में जीआरएपी पर अति–निर्भरता की आलोचना किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। स दिल्ली में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंचने के बाद केंद्र सरकार की ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान की गाइडलाइंस लागू कर दी गई हैं। इस बीच, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सरकार की इस योजना पर अति–निर्भरता को लेकर चिंता जताई और सालभर ठोस उत्सर्जन नियंत्रण कार्रवाई की जरूरत बताई। रमेश ने कहा कि दिल्ली में हर साल सर्दियों के मौसम में वायु प्रदूषण के हालात बिगड़ते हैं, लेकिन सरकार की प्रतिक्रिया केवल आपातकालीन कदमों तक सीमित रह गई है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा दिल्ली में लागू किया गया है। 2014 से 2017 के बीच सुप्रीम कोर्ट ने वायु प्रदूषण संकट को देखते हुए इस योजना को मंजूरी दी थी। उम्मीद थी कि समय के साथ यह कम जरूरी होगी क्योंकि सालभर उत्सर्जन में कमी आएगी, लेकिन अब यह पूरी तरह 'रिएक्टिव' हो चुकी है। कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार को संकट प्रबंधन के बजाय संकट से बचाव पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मौजूदा हालात जारी रहे, तो दिल्ली को राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता मानकों को पूरा करने के लिए अब भी अपने से अधिक की कमी लानी होगी। रमेश ने कहा श्दिल्ली को साफ हवा के लिए सख्त और बहु–क्षेत्रीय कदम उठाने होंगे। ये सिर्फ अक्तूबर–नवंबर तक सीमित नहीं होने चाहिए बल्कि सालभर चलने चाहिए। केंद्रीय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने मंगलवार को दिल्ली–एनसीआर में के तीसरे चरण को लागू किया। रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को दिल्ली का AQI 362 था, जो मंगलवार सुबह 425 तक पहुंच गया। CAQM ने कहा कि स्थिर मौसम, ठंडी हवाएं और अस्थिर वायुमंडलीय स्थितियां इस प्रदूषण वृद्धि के मुख्य कारण हैं। आयोग ने अपने बयान में कहा दिल्ली–एनसीआर में वायु गुणवत्ता की मौजूदा स्थिति को देखते हुए स्टेज के तहत सभी कदम तुरंत प्रभाव से लागू किए जा रहे हैं।

संपादकीय

भारतीय उम्मीदों पर अमेरिका खरा नहीं उतरा

फाउंडेशनल एग्रीमेंट्स के साथ भारत अमेरिका की सामरिक रणनीति में सहयोगी बना, तो अपेक्षा थी कि अमेरिका भारत की सुरक्षा के प्रति समान रूप से संवेदनशील बनेगा। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय उम्मीदों पर अमेरिका खरा नहीं उतरा। भारत– अमेरिका के बीच रक्षा संबंध और गहरा करने के लिए दस साल के फ्रेमवर्क समझौते पर दस्तखत के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 'इसका मकसद रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण एवं नीतिगत दिशा प्रदान करना है।' अगर ऐसा सचमुच हो सका, तो भारत के आश्वस्त रहने के लिए इससे एक बड़ी वजह मिलेगी। मगर ऑपरेशन सिंदूर के दरम्यान भारत को जो तजुर्बा हुआ, उसके मद्देनजर यह अगर बहुत बड़ा नजर जाता है। 2016 से 2020 के बीच रक्षा क्षेत्र में सहयोग के लिए भारत और अमेरिका में चार महत्त्वपूर्ण समझौते हुए थे, जिन्हें फाउंडेशनल (मूलभूत) करार के रूप में जाना जाता है। लॉजिस्टिक्स आदान–प्रदान मेमॉरेंडम समझौता, संचार अनुकूलता एवं सुरक्षा करार, बुनियादी आदान– प्रदान एवं सहयोग समझौताय तथा आपूर्ति व्यवस्था की सुरक्षा का समझौता होने के बाद आम समझ बनी कि भारत अब अमेरिका की रक्षा धुरी से जुड़ गया है। भारत चूंकि अमेरिका की सामरिक रणनीति में सहयोगी बना, तो यह अपेक्षा स्वाभाविक थी कि अमेरिका भारत की सुरक्षा के प्रति समान रूप से संवेदनशील एवं सक्रिय बनेगा। लेकिन जब पहलगाम में आतंकवादी हमला हुआ और उसके जवाब में भारत ने पाकिस्तान स्थित दहशतगर्द ठिकानों पर हमले किए, तो भारत की उम्मीदों पर अमेरिका खरा नहीं उतरा। भारत की सुरक्षा के लिए दूसरी बड़ी चिंता चीन है। मगर अब राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप चीन के साथ अमेरिकी संबंध को जी–2 कह रहे हैं। यानी ट्रंप वैश्विक शक्ति संतुलन को द्वि–ध्रुवीय नजरिए से देख रहे हैं। स्वाभाविक है कि उनके इस नजरिए ने भारत में चिंता पैदा की है। साथ ही क्वॉड जैसे समूह की प्रासंगिकता पर इससे सवाल उठ खड़े हुए हैं, जिसे भारत में चीन को नियंत्रित रखने के अमेरिकी उपक्रम के रूप में देखा जाता रहा है। ऐसे में यह अंदेशा लाजिमी है कि रक्षा सहयोग में भारत की भूमिका कहीं सिर्फ अमेरिकी हितों की पूर्ति करने और दोयम दर्जे के अमेरिकी रक्षा उपकरणों के खरीदार के रूप में ना रह जाए। यही कारण है कि फ्रेमवर्क समझौते पर दस्तखत की ताजा खबर से भारत में कम ही लोग आश्वस्त हुए हैं।

विश्वसनीय भू-अभिलेखों और नागरिक सशक्तिकरण के लिए एक नई पहल

शिवराज सिंह चौहान

जब भारत एक समावेशी और विकसित भविष्य की कल्पना करता है, तो इसका सबसे मजबूत आधार–स्तंभ भूमि है। चाहे घर हो, खेत हो, दुकान हो या स्मार्ट सिटी का सपना हो – विकास का प्रत्येक रूप भूमि पर अवस्थित होता है। हालाँकि, सच्चाई यह है कि वर्षों से हमारे भू–अभिलेख अधूरे, भ्रामक और अक्सर विवादों में उलझे रहे हैं। परिणामस्वरूप, आम नागरिकों को संपत्ति खरीदने, जमीन विरासत में प्राप्त करने, ऋण प्राप्त करने या सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। इन दीर्घकालिक समस्याओं के समाधान के लिए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में, ग्रामीण विकास मंत्रालय के अंतर्गत भूमि संसाधन विभाग ने नक्शा (राष्ट्रीय शहरी निवास–स्थल भू–स्थानिक ज्ञान–आधारित भूमि सर्वेक्षण) कार्यक्रम की शुरुआत की है। यह भारत में भूमि प्रबंधन, प्रशासन और भूमि–रिकॉर्ड रख–रखाव में बदलाव लाने की एक पहल है। यह कार्यक्रम एक पारदर्शी, डिजिटल और सत्यापित भू–अभिलेख प्रणाली का निर्माण कर रहा है, जो न केवल नागरिकों के जीवन को आसान बनाएगी, बल्कि कस्बों और शहरों के विकास को भी गति प्रदान करेगी। भारत में, भूमि पंजीकरण लंबे समय से एक जटिल व दस्तावेज–आधारित प्रक्रिया रही है। बिक्री विलेख, स्टाम्प शुल्क, पंजीकरण शुल्क, पटवारी सत्यापन और तहसील स्तर पर प्रस्तुतियाँ दृ ये सभी नागरिकों के लिए पूरी प्रणाली को बोझिल बना देती थीं। पुराने रजिस्टर और फाइलों में न केवल त्रुटियां मौजूद थीं, बल्कि इनमें आसानी से छेड़छाड़ की जा सकती थी, जो कई विवादों का मूल कारण होता है। अस्पष्ट संपत्ति अभिलेखों की वजह से बैंकों से ऋण प्राप्त करने की संभावना कम हो गयी थी। उत्तराधिकार या दाखिल–खारिज की प्रक्रिया अक्सर वर्षों तक अदालतों में अटकी रहती थी। गलत माप, अस्पष्ट सीमाएँ और स्थानीय राजनीतिक हस्तक्षेप ने इन समस्याओं को और गंभीर बना दिया। यही कारण है कि लाखों भारतीयों के लिए, सुरक्षा के स्रोत के रूप में भूमि का महत्त्व कम होता गया और यह जोखिम का प्रमुख स्रोत बन गई। डिजिटल पारदर्शिता की ओर कदम नक्शा कार्यक्रम, सटीक और डिजिटल भू–रिकॉर्ड तैयार करने के लिए ड्रोन सर्वेक्षण, जीएनएसएस मानचित्रण और जीआईएस उपकरण जैसी उन्नत तकनीकों का लाभ उठाता है। इस पहल के तहत, नागरिकों को 'योरप्रो' (शहरी संपत्ति स्वामित्व रिकॉर्ड) कार्ड मिलता है, जो स्वामित्व का एक डिजिटल प्रमाण है और संपत्ति के लेन–देन को आसान बनाता है। सरकार 'योरप्रो' कार्यक्रम को समर्थन दे रही है। नक्शा के साथ, लोगों को अब स्वामित्व की पुष्टि के लिए दस्तावेजों या बिचौलियों पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं है। इससे ऋण प्राप्त करने, बिक्री पूरी करने, उत्तराधिकार प्राप्त करने और विवादों का निपटारा करने की प्रक्रिया तेज और अधिक पारदर्शी हो गयी है। अंततरू, नक्शा केवल एक तकनीकी सुधार नहीं है – यह नागरिक सशक्तिकरण, समानता और भू–स्वामित्व में कानूनी आश्वासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नक्शा कार्यक्रम मुख्य रूप से उन नागरिकों को लाभान्वित करता है, जो लंबे समय से अधूरे या अप्रचलित भू–दस्तावेजों पर निर्भर रहे हैं। नगरपालिकाओं और स्थानीय परिषदों के पास अब स्वच्छ, सटीक भू–स्थानिक डेटा तक पहुँच की सुविधा है, जिससे बेहतर निर्णय लेना और पारदर्शिता सुनिश्चित होती है। नागरिक आसानी से ऑनलाइन प्रारूप मानचित्र देख सकते हैं और आपत्तियाँ दर्ज कर सकते हैं, जिससे इस प्रक्रिया में जनता की भागीदारी सुनिश्चित होती है। यह डिजिटल प्रणाली कराधान को अधिक निष्पक्ष और पारदर्शी बनाती है, साथ ही शहरी नीति–निर्माण और अवसंरचना डिजाइन की सटीकता और गति में सुधार करती है। संक्षेप में, जो भू–रिकॉर्ड कभी धूल भरे रजिस्टरों में केवल हस्तलिखित प्रविष्टियों के रूप में मौजूद था, वह अब रंगीन, इंटरैक्टिव और पारदर्शी डिजिटल मानचित्रों में विकसित हो गया है। यह आधुनिक, डेटा–संचालित शासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नक्शा कार्यक्रम का प्रभाव व्यक्तिगत स्वामित्व और प्रशासनिक दक्षता से कहीं आगे तक फैला हुआ है और यह आपदा प्रबंधन और शहरी नीति–निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में उभर रहा है। अवस्थिति की ऊँचाई का विस्तृत डेटा प्रदान करके, यह लोगों को बाढ़–जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान करने में सक्षम बनाता है, जबकि चक्रवात, भूकंप या आग की स्थिति में, यह बिना किसी देरी के बचाव और राहत कार्यों को शुरू करने की सुविधा देता है। सत्यापित डिजिटल स्वामित्व रिकॉर्ड यह भी सुनिश्चित करते हैं कि मुआवजा और सहायता सही लाभार्थियों तक शीघ्रता से पहुँचे। इससे आपदा के बाद, पूर्वस्थिति को बहाल करने की प्रक्रिया अधिक कुशल हो जाती है।

उत्तराखंड नरेंद्र मोदी के हृदय में बसता है

तरुण विजय

हिमालय में संन्यासी बनते–बनते से लेकर उत्तराखंड निर्माण की रजत जयंती समारोह के उद्घाटन तक, नरेंद्र मोदी ने अपने जीवन में एक पूरा हिमालय जी लिया है। गंगा–यमुना का प्रवाह उनकी आत्मा में है और उत्तराखंड जो आदि काल से वैदिक संस्कृति के लिए जाना जाता है, वही उनकी दृष्टि को दिशा देती है। राज्य के हर सुख–दुख में नरेंद्र मोदी इस हिमालयी राज्य के लोगों के साथ खड़े दिखे, तब भी जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे। उत्तराखंड ने जो भी आपदा झेली, नरेंद्र मोदी सबसे पहले मदद के लिए दौड़े और सभी जरूरी बचाव दल, सामग्री तथा राहत प्रदान की। वर्ष 2000 में दूरदर्शी प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा गठित यह राज्य पहाड़ी महिलाओं के अभूतपूर्व आंदोलन से गुजरा था। अटल जी ने ठीक ही कहा था कि इस राज्य का जन्म मां की शक्ति से हुआ है। मातृ–शक्ति ने नया राज्य बनाया, जिसमें बड़ी आकांक्षाएं और उम्मीदें थीं। हिमालयी राज्य की महिलाओं के सपनों को साकार करना बाकी है। कुख्यात मुलायम सिंह यादव सरकार के दौरान कई लोगों ने अपनी जान गंवाई और महिलाओं पर क्रूर अत्याचार हुए। उत्तराखंड राज्य आंदोलन के कुछ प्रमुख मील के पत्थर इस प्रकार हैं: खटीमा कांड के विरोध में निकले एक अन्य जुलूस पर पुलिस ने गोली चलाई, जिसमें छह लोगों की मौत हुई, जिनमें महिला कार्यकर्ता बेलमती चौहान और हंसा धनै शामिल थीं। दिल्ली प्रदर्शन के लिए जा रहे कार्यकर्ताओं को रोका गया और गोली चलाई गईय कम से कम छह लोग मारे गए और कई महिलाओं के साथ कथित तौर पर बलात्कार व छेड़छाड़ हुई। इसे आंदोलन के इतिहास का "काल दिवस" माना जाता है। भूख हड़ताल पर बैठे कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने क्रूर हमला किया, दो की मौत हुई और उनके शव अलकनंदा नदी में फेंक दिए गए। कारावास और यातनाएंरू कई कार्यकर्ताओं, जिनमें प्रमुख व्यक्तित्व इंद्रमणि बदोनी (जिन्हें "पर्वत गांधी" कहा जाता है) शामिल हैं, को जेल में डाला गया और उपवास व प्रदर्शनों के दौरान शारीरिक यातना दी गई। उत्तराखंड प्रतिभाशाली व्यक्तियों और साहसी, निडर लोगों का खजाना रहा है। तीन हजार वर्ष पूर्व कई राजाओं ने अश्वमेध यज्ञ जैसे वैदिक अनुष्ठानों के लिए इसी स्थान को चुना था। आज भी राज्य में दो प्राचीन स्थल एएसआई द्वारा राष्ट्रीय स्मारक घोषित कर संरक्षित हैं। इनमें से एक श्येन चिति अश्वमेधा स्थल (उड़ते गरुड़ के आकार में बना अश्वमेध यज्ञ) देहरादून में है और दूसरा, जो ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी का है, पूरोला में। यमुना तट पर महाभारत कालीन शिव मंदिरों के लिए प्रसिद्ध लखामंडल क्षेत्र में कर्ण को समर्पित मंदिर है, जो शायद भारत में एकमात्र है। नौवीं शताब्दी में कत्यूरी राजाओं द्वारा निर्मित कटारमल सूर्य मंदिर 44 मंदिरों का समूह है, जिसे ओडिशा के कोणार्क जितना महत्वपूर्ण माना जाता है। कोई भी हिंदू अपनी जिंदगी को बिना बद्रीनाथ–केदारनाथ दर्शन के पूरा हुआ नहीं मानता। यहीं भगीरथ ने शिव से गंगा प्राप्त की और आदि शंकराचार्य ने गंगा व शिव की स्तुति में प्रसिद्ध भजन लिखे तथा अंत में हिमालय के केदारनाथ क्षेत्र में निर्वाण प्राप्त किया। अलकनंदा और भागीरथी के संगम पर स्वर्गिक सुंदर देव प्रयाग में गंगा को अपना नाम मिलता है। शिव–पार्वती की प्रिय भूमि, मां नंदा देवी हमारी पुत्री भी हैं, जिन्हें मां के रूप में पूजा जाता है और हर बारहवें वर्ष 22 दिनों में 280 किमी की भव्य नंदा राज जात (मां नंदा की राजकीय यात्रा) होती है। गंगा तट पर अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त योग नगरी ऋषिकेश और हरिद्वार महाकुंभ स्थल लाखों तीर्थयात्रियों व योग प्रेमियों को आकर्षित करते हैं। अविभाजित उत्तराखंड ने दो प्रसिद्ध मुख्यमंत्री दिए गोविंद बल्लभ पंत और नारायण दत्त तिवारी तथा वर्तमान में भी राज्य के मुख्यमंत्री, जो देश को प्रधानमंत्री देने के लिए जाना जाता है, उत्तराखंड से हैं। भारत की रक्षा सेनाएं उत्तराखंड के वीर योद्धाओं के बिना अधूरी हैं। ब्रिटिश काल में गब्बर सिंह नेगी और दरवान सिंह नेगी को विक्टोरिया क्रॉस से लेकर परम वीर चक्र प्राप्त मेजर धन सिंह थापा और अमर किंवदंती राइफलमैन जसवंत सिंह रावत तक, देश को सबसे अधिक सैनिक देने वाले इस राज्य के बहादुर देशभक्त योद्धाओं की लंबी सूची है। भारत के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत उत्तराखंड से थे और दूसरे जनरल अनिल

चौहान भी। देश के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल डी.के. जोशी तथा पीएमओ व वैज्ञानिक संस्थानों में कई उच्च पदाधिकारी इसी राज्य से हैं। इस राज्य ने दुनिया को जो किंवदंतियां दी हैं, उन्हें नाम देना कठिन, यदि असंभव नहीं दृ नवीनतम महिला क्रिकेट सनसनी स्नेह राणा से लेकर प्रथम एवरेस्ट विजेता बछेंद्री पाल, ताशी और नुंगशी मलिक, अभिनव बिंद्रा, ऋषभ पंत, रस्किन बॉन्ड, नरेंद्र सिंह नेगी, बसंती बिष्टइ यह मां भारत की गौरव और सितारों की अनंत सूची है। गंगा तट से योग और आयुर्वेद को ध्रुवों तक ले जाने वाले बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण, गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देने वाले महर्षि महेश योगी, प्रकृति के शाश्वत कवि सुमित्रानंदन पंत से लेकर हिंदू धर्म और सभ्यता के पुनर्जागरणकर्ता स्वामी रामतीर्थ और स्वामी विवेकानंद तक, सभी ने इस भूमि से गर्मजोशी और प्रेरणा पाई है। हमारे अपने समय में बाबा नीब करौरी, कैंची धाम दृ स्टीव जॉब्स के गुरु दृ ने इस हिमालयी राज्य की आभा को बढ़ाया है। देहरादून शहर स्वयं सर्वश्रेष्ठ शैक्षिक और रक्षा संस्थानों, ज्ञान और विज्ञान के केंद्रों का घर है दृ ओएनजीसी, नौसेना हाइड्रोग्राफी, सर्वे ऑफ इंडिया, वन अनुसंधान संस्थान, इंडियन मिलिट्री एकेडमी और राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज का मुख्यालय यहीं है। उत्तराखंड की रजत जयंती समारोह 9 नवंबर से शुरू हो रहा है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य की महानता और गौरवशाली विरासत को नमन कर रहे हैं तथा लोगों के लिए नया, बेहतर, समृद्ध भविष्य बना रहे हैं। उनके उपहार अद्भुत हैं और उत्तराखंड को भारत का सबसे विकसित राज्य बनाने, इसे मजबूत देव भूमि और वीर भूमि बनाने में बहुत दूर तक जाएंगे। वे पेयजल, सिंचाई, तकनीकी शिक्षा, ऊर्जा, शहरी विकास, खेल और कौशल विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों में 8140 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास कर रहे हैं। वे पीएम फसल बीमा योजना के तहत 28,000 से अधिक किसानों के खातों में सीधे 62 करोड़ रुपये भी जारी कर रहे हैं। रजत जयंती कार्यक्रम के दौरान श्री मोदी 930 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और 7210 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटित होने वाली परियोजनाओं में अमृत योजना के तहत देहरादून के 23 जोन में जलापूर्ति कवरेज, पिथौरागढ़ जिले में विद्युत सबस्टेशन, सरकारी भवनों में सौर ऊर्जा संयंत्र, नैनीताल के हल्द्वानी स्टेडियम में एस्ट्रोटर्फ हॉकी मैदान आदि शामिल हैं।

नीतीश केंद्रित चुनाव पर सबकी निगाह

उमेश

बिहार इन दिनों राजनीति की दुनिया के लिए हॉट केक बना हुआ है। जिस समय ये पंक्तियां लिखी जा रही हैं, राज्य के विधानसभा चुनाव के पहले दौर का मतदान खत्म हो चुका है। इस दौर में 121 सीटों के प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला ईवीएम मशीनों ने कैद हो चुका है। जिस तरह पहले दौर में ढाई दशक बाद बंपर मतदान हुआ है। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी के मुताबिक पहले दौर में 64.64 प्रतिशत मतदाताओं ने लोकतंत्र के अपने सबसे बड़े हथियार का इस्तेमाल किया है। इसे देखते हुए माना जा रहा है कि दूसरे और अंतिम दौर में भी बिहार के वोटरों में ऐसा ही उत्साह नजर आएगा। भारी मतदान को लेकर मान्यता रही है कि अक्सर यह सत्ता विरोधी लहर का प्रतीक होती है। इस लिहाज से तेजस्वी यादव की अगुआई वाला विरोधी महागठबंधन और उसके समर्थक बौद्धिकों की बांछें खिल उठी हैं। उनकी उम्मीदें बढ़ गई हैं कि मोदी के हरावल दस्ते को बिहार ठीक दस साल पहले की तरह इस बार भी बांधा लेगा। लेकिन बंपर मतदान की प्रचलित अवधारणा के अपवाद 2010 और 2016 के पश्चिम बंगाल चुनाव हैं। जिनमें सत्ताधारी नीतीश और ममता और बड़े बहुमत से सत्ता में वापस लौटे थे। बिहार में इसकी ही संभावना ज्यादा है। अगर ऐसा ही होता है तो तय मानिए कि बिहार भी गुजरात और मध्य प्रदेश की तरह बीजेपी और एनडीए के लिए मजबूत गढ़ के रूप में उभर कर सामने आएगा। बिहार के चुनाव नतीजों पर केंद्र सरकार ही नहीं, मोदी की अगुआई को समर्थन दे रही तेलुगू देशम पार्टी की अगुआई वाली आंध्र प्रदेश की सरकार का भी भविष्य टिका है। अगर बिहार में एनडीए की भारी जीत होती है तो साफ है कि केंद्र में मोदी सरकार और मजबूत होगी। इसके साथ ही सरकार की उम्र पर कोई सवाल नहीं उठेगा। केंद्र की बीजेपी की अगुआई वाली सरकार को एक तरफ से नीतीश के नेतृत्व वाला जनता दल यू थामे है तो दूसरी तरफ से एन चंद्रबाबू नायडू का तेलुगू देशम। तेलुगू देशम और एन चंद्रबाबू की राजनीति स्पष्ट है। उनकी सारी कामयाबियां और कार्य व्यापार केंद्रीय सत्ता के सहयोग से चलता है। समर्थन देने की कीमत वे वसूलना अच्छी तरह जानते हैं। अतीत में उन्होंने पहले संयुक्त मोर्चा की सरकार से कीमत वसूली, फिर वाजपेयी सरकार से भी कुछ वैसा ही नाता रखा। इस मामले में वे अनुभवी हैं। इसी अनुभव और कीमत वसूली अभियान के चलते वे राज्य को केंद्र से भरपूर आर्थिक और दूसरी मदद वसूलते रहे। उनकी साइबराबाद की कल्पना हो या फिर राज्य में विकास की बयार बहाने का माद्दा। उन्होंने उन्हें केंद्र के सहयोग से ही पूरा किया है। बिहार में एनडीए की जीत पर एनडीए और जनता दल यू का भविष्य भी टिका है। अगर बिहार में जीत मिलती है तो तय है कि नीतीश और बड़े कद के साथ उभरेंगे। अगर हार होती है तो फिलहाल मोदी सरकार से अलग होने का सवाल नहीं उठेगा। लेकिन देर–सवेर जनता दल यू मोदी सरकार से दूर होने के बहाने तलाशने लगेगा। उस हालत में जनता दल में ही मानने वालों की कमी नहीं रहेगी कि उसकी हार बीजेपी के ही चलते हुई है। इसकी वजह से नीतीश पर एनडीए से हटने का अंदरूनी दबाव बढ़ सकता है। लेकिन उसमें देर होगी। लेकिन खटपट की आशंका बढ़ती जाएगी। बिहार में विधानसभा चुनाव के आंकड़ों का निष्कर्ष तो बाद में आएगा। लेकिन पहले दौर के जिस तरह के नजारे दिखे हैं, उसमें लगा कि महिलाओं ने बढ़–चढ़कर वोटिंग में हिस्सेदारी की है। पिछले विधानसभा चुनाव में भी महिलाओं ने पुरूषों की तुलना में ज्यादा वोटिंग की थी। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, 2020 के विधानसभा चुनाव में महिलाओं का मतदान प्रतिशत 59.6 रहा, जो पुरुषों के 54.7 से करीब 5 प्रतिशत ज्यादा था। इस बार भी जिस तरह मतदान केंद्र पर महिलाओं की लाइनें लगी थीं, उससे लगता है कि बिहार का चुनावी परिदृश्य यह इतिहास फिर से दोहराने जा रहा है। इसकी वजह माना जा रहा है, नीतीश सरकार द्वारा ऐन चुनावों से ठीक पहले महिलाओं को दस–दस हजार रूपए की आर्थिक सहायता देना। वैसे बिहार में विधवाओं को 11 सौ रूपए का मासिक पेंशन भी मिलती है। बिहार जैसे लोक अभावग्रस्त राज्य में यह रकम बड़ी सहारा बनती है। इसलिए महिलाएं इस बार खुलेआम नीतीश सरकार के पक्ष में दिखीं। बिहार वैसे तो जातिवादी राजनीति के लिए बदनाम रहा है। लेकिन उसे बदनाम करने वाले राज्य भी जातीय गोलबंदी की राजनीति से अछूते नहीं हैं। हर राज्य में अपने–अपने जातीय समूह हैं और उनकी अपनी गोलबंदी है। हर राजनीतिक दल इन जातीय समूहों का टिकट वितरण में ध्यान रखता रहा है। बहरहाल इस बार जातीय गोलबंदी और मुद्दों से इतर बिहार के चुनाव को ले जाने की कोशिश चुनाव रणनीतिकार और सलाहकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर ने की। उनकी सक्रियता से लगा कि एकबारगी चुनाव इसी पैटर्न पर जाएगा। पढ़े–लिखे लोगों में इसका असर भी दिखा। लेकिन आखिरकार बिहार का चुनाव अपने पारंपरिक जातीय गोलबंदी और धार्मिक ध्रुवीकरण पर केंद्रित होता चला गया। प्रशांत ने परिवारवाद का भी मुद्दा उछाला। उसे ठीकठाक जन समर्थन भी मिला। वैसे परिवारवाद के केंद्र में लालू परिवार सबसे ज्यादा है। हालांकि लालू परिवार के बड़े चिराग तेज प्रताप को अलग कर दिया गया है। तेजप्रताप जनशक्ति जनता दल के नाम से अलग दल बनाकर लड़ रहे हैं। वैशाली जिले की महुआ विधानसभा सीट से वे खुद उम्मीदवार हैं। ऐसा माना जा रहा है कि वे जीत सकते हैं। वैसे तेजप्रताप के जो इंटरव्यू सामने आए हैं, उससे उनकी छवि परिपक्व नेता की बनकर उभरी है। इस चुनाव में भी बिहार के सीमांचल के जिलों में असदुद्दीन ओबैसी की पार्टी जोरशोर से जुटी हुई है। मुस्लिम बहुल सीमांचल में ओबैसी की सभाओं में भीड़ खूब जुट भी रही है। इस बार भी लगता है कि सीमांचल में उनकी पार्टी अपनी ताकत दिखाने में सफल रहेगी। इस बार के चुनाव में चिराग पासवान एनडीए के साथ हैं। पिछली बार वे नीतीश के विरोध में हर जगह मैदान में थे। उनके प्रत्याशियों को करीब 23 लाख वोट मिले थे। जिसकी वजह से माना गया कि नीतीश की स्थिति कमजोर हुई और उनकी पार्टी को 43 सीटों पर सिमटना पड़ा। चिराग इस बार नीतीश की अगुआई का जाप कर रहे हैं। वैसे तो चुनाव परिणाम बताएंगे कि वे कमजोर रहते हैं या फिर ठीकठाक प्रदर्शन कर पाते हैं। वैसे उनके 29 प्रत्याशी मैदान में हैं। बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कुछ राजनीतिक प्रेक्षकों को लग रहा था।

एआई को लेकर अद्भुत अचम्भे में पूरी दुनिया

अजीत द्विवेदी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई को लेकर पूरी दुनिया अद्भुत अचम्भे में है। जीवन के हर क्षेत्र में इसके महत्व और इसकी जरुरत को प्रमाणित करने के दावे किए जा रहे हैं। इसका असर भी दिख रहा है। एआई के कारण बड़ी टेक कंपनियों के सीईओ की सैलरी बढ़ रही है और कंपनियों के शेयरों की कीमत में बेहिसाब बढ़ोतरी हो रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला के वेतन में इस साल 152 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई है, जिसके बाद उनका वेतन 847 करोड़ रुपए के करीब हो गया है। एक साल में उनका वेतन 22 फीसदी बढ़ा है और ऐसा एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमता की वजह से हुआ। एआई तकनीक में उतरने की वजह से माइक्रोसॉफ्ट के शेयरों में बढ़ोतरी हुई, जिसका लाभ कंपनी ने सीईओ सत्य नडेला को भी दिया। ऐसा सिर्फ एक कंपनी या एक सीईओ के साथ नहीं हुआ है। एआई की भेड़चाल में सारी दुनिया शामिल है और सब कमाई कर रहे हैं। दूसरी ओर गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने बाजार की खबरों के हवाले से यह आशंका जताई है कि एआई एक लाख 80 हजार नौकरियां छीन सकता है। उनकी कंपनी ने 13 हजार लोगों की छंटनी की है और अब अमेजन ने कहा है कि वह एमबॉट्स तैनात करने जा रहा है, जिससे तत्काल 18 हजार लोगों की नौकरियां जाएंगी। एक तरफ एआई से चुनिंदा लोगों की कमाई बढ़ रही हैं और दूसरी ओर लाखों लोगों की नौकरियां जा रही हैं। यह एक विरोधाभास है, जिससे हर नई तकनीक को गुजरना होता है। लेकिन हम इस विरोधाभास की चर्चा नहीं कर रहे हैं। हम एआई की उन खामियों के बारे में बात करने जा रहे हैं, जिनके बारे में बहुत कम चर्चा होती है। टुकड़ों में खबरें आती हैं और फिर कहीं गायब हो जाती हैं। देश के जाने माने पत्रकार शेखर गुप्ता ने अपने एक लेख में इसके झूठ का पर्दाफाश किया है। उन्होंने बताया है कि एआई कितना झूठ बोल सकता है या कितनी गलत जानकारी आपके सामने परोस सकता है। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ऑपरेशन सिंदूर के लिए घोषित वीरता पुरस्कारों के बारे में एआई टूल ग्रोक से जानकारी मांगी थी। ग्रोक ने उन्हें ऐसी ऐसी जानकारी दी, जिसका सचाई से दूर दूर तक कोई लेना देना नहीं था। ग्रोक ने वीरता पुरस्कार पाने वालों का ऐसा प्रशस्ति गान किया, जिसकी मिसाल नहीं दी जा सकती है। इतना ही नहीं ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ भारत की सैन्य कार्रवाई के दौरान के ऐसे ऐसे कारनामे बताए, जिनका हकीकत से कोई लेना देना नहीं था, लेकिन जिन्हें युद्ध के समय एक खास मकसद से व्हाट्सऐप के जरिए प्रचारित किया गया था। यानी जिस झूठ का प्रचार, प्रोपेगेंडा किसी खास मकसद से, किसी खास समूह द्वारा किया जाता है, एआई टूल उसे सची खबर बना कर आपके सामने पेश कर सकता है। सोचें, कितना आसान है अपने झूठ के प्रचार के लिए एआई टूल्स को इस्तेमाल कर लेना! कहानी इतने पर खत्म नहीं होती है। शेखर गुप्ता ने जब सरकार की ओर से जारी आधिकारिक अधिसूचना का लिंक खोल लिया और सारी जानकारी उनके सामने आ गई तो उन्होंने ग्रोक से जवाब तलब किया तो उसने गलती मानी और कम से कम एक मामले में उनको सही जानकारी उपलब्ध कराई। इसका मतलब है कि एआई टूल सही जानकारी दे सकता है लेकिन उसको अगर इस्तेमाल किया जाए तो वह झूठ और प्रोपेगेंडा को भी सची खबर बना कर प्रचारित और प्रसारित कर सकता है। ग्रोक के साथ अपने अनुभव में शेखर गुप्ता के तीन निष्कर्ष हैं। पहला, 'एआई तेज है, बल्कि कुछ ज्यादा ही तेजतर्रार है। यह आपको तथ्य उपलब्ध कराने का वादा करता है, लेकिन आपकी जरूरत के मुताबिक सजा धजाकर नैरेटिव गढ़ सकता है'। दूसरा, 'एआई प्रोपेगेंडा, दुष्प्रचार और सूचना के साथ खिलवाड़ को नए स्तर पर ले जा रहा है' और तीसरा, 'एआई को आसानी से शिकार बनाया जा सकता है'। अब सवाल है कि एआई टूल ग्रोक ने यह बात वेब पर उपलब्ध खबरों से उठा कर पेश कर दी या उसे इस रूप में प्रशिक्षित किया गया है कि वह ऐसे मामलों में इसी तरह का नैरेटिव पेश करे? इस सवाल का जवाब देने के लिए कई संदर्भ उपलब्ध हैं, जिनसे सही जवाब तक पहुंचा जा सकता है। एक संदर्भ चीन के बनाए जेनेरेटिव एआई डीपसीक का है। उससे आप कितना भी पूछें वह थियेनआनमन चौक पर हुए नरसंहार के बारे में सही जानकारी नहीं देगा। इसी तरह वह भारत के कई क्षेत्रों को चीन का हिस्सा बताता है। वह ताइवान को भी चीन का ही हिस्सा बताता है। जाहिर है कि चीन ने उसका एलगोरिद्म इस तरह से तैयार किया है कि वह चीन के हित को प्राथमिकता देकर ही कोई भी जवाब देगा। दूसरा संदर्भ इलॉन मस्क के टूल ग्रोक के एनसाइक्लोपीडिया, जिसका नाम ग्रोकपीडिया है और विकीपीडिया के जवाबों को देख सकते हैं। मस्क का अपना जो एनसाइक्लोपीडिया है वह तथ्यों को इस अंदाज में पेश करता है, जिससे मस्क के गोरे और नस्ली श्रेष्ठता को सपोर्ट किया जा सके। जॉर्ज फ्लॉयड के बारे में पूछे गए सवाल पर दोनों के जवाब का अंतर इसको दिखाता है। पहले यह जान लें कि जॉर्ज फ्लॉयड एक अश्वेत व्यक्ति थे, जिनको एक गोरे पुलिस अधिकारी ने मिनियापोलिस में गिरफ्तार किया और उनकी गर्दन पर घुटना रख कर बैठ गया, फ्लॉयड कहते रहे कि वे सांस नहीं ले पा रहे हैं लेकिन अधिकारी डेरेक शॉविन ने गर्दन पर से पैर नहीं हटाए, जिससे उनकी जान चली गई थी। इस बारे में विकीपीडिया ने कहा, 'जॉर्ज पेरी फ्लॉयड जूनियर एक अफ्रीकी अमेरिकी थे, जिनके हत्या एक गोरे पुलिस अधिकारी ने मिनियापोलिस में कर दी थी। पुलिस ने फ्लॉयड को एक स्टोर में 20 डॉलर का जाली नोट देने के संदेह में पकड़ा था'। दूसरी ओर मस्क के ग्रोकपीडिया ने जवाब दिया, 'जॉर्ज पेरी फ्लॉयड जूनियर एक अमेरिकी था, जिसका बहुत लंबा आपराधिक रिकॉर्ड था। 1997 से 2007 के बीच जिसमें हथियार और ड्रग्स रखने और चोरी के कई मामलों में सजा हुई थी'। उसने बताया नहीं कि एक गोरे अधिकारी ने उसको अब आप सोचें कितना आसान है इस तरह के एआई टूल्स से नैरेटिव सेट करना या प्रोपेगेंडा करना? हजारों पन्नों की किताब लिख कर या अखबार छाप कर या लंबे भाषण देकर जो नैरेटिव नहीं सेट किया जा सकता है या जो प्रोपेगेंडा नहीं फैलाया जा सकता है उसे इस किस्म के टूल की मदद से फैलाया जा सकता है। इन टूल्स के एलगोरिद्म से हर समूह अपने मनमाफिक नैरेटिव सेट करेगा। ध्यान रहे अधिनायकवाद की पहली कोशिश यही होती है कि वह नागरिकों के दिल और दिमाग को नियंत्रित करे। ऐसा करके वह नेता, नागरिक और राष्ट्र तीनों को एक बना सकता है। इस काम में पहले बहुत मेहनत की जरुरत होती थी लेकिन अब एआई से यह काम बहुत आसान हो जाएगा। यह काम सिर्फ राजनीति के क्षेत्र में नहीं होगा, बल्कि व्यापार और दूसरे क्षेत्र में भी होगा। झूठ फैलाने और प्रोपेगेंडा मशीनरी के तौर पर काम करने के अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की चापलूसी करने की क्षमता भी अद्भुत है।

योग्यता और सुविधाओं के मानक पर खरे नहीं उतरे अनुदानित मदरसे, 35 से ज्यादा को नोटिस भेजी

लखनऊ, (संवाददाता)। मदरसा नियमावली–2016 के मानकों पर कई अनुदानित मदरसे खरे नहीं उतरे हैं। जांच में कई जिलों के मदरसों में प्रधानाचार्यों और शिक्षकों की योग्यता अपूर्ण पाई गई है। मदरसा बोर्ड ने ऐसे 35 से ज्यादा मदरसों को नोटिस जारी किया है। प्रदेश में 558 अनुदानित मदरसे हैं। इनमें आधारभूत सुविधाओं, छात्र–शिक्षक अनुपात, भवन, शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों की योग्यता की जांच आदि के लिए एक दिसंबर 2023 को जिला अल्पसंख्यक अधिकारियों को निर्देश दिए गए थे। जिलों से जांच रिपोर्ट मिलने के बाद मदरसा बोर्ड ने मानक पूरा न करने वाले मदरसों और शिक्षकों पर कार्रवाई शुरू की है। बोर्ड की रजिस्ट्रार अंजना सिरोही ने देवरिया, आजमगढ़, मिर्जापुर, गाजीपुर आदि जिलों के 35 से ज्यादा मदरसों को नोटिस भेज कर उन्हें

दस्तावेजों के साथ अपना पक्ष रखने के आदेश दिए गए हैं। कॉलेज के प्रधानाचार्य व सात शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता अपूर्ण पाई गई। ऐसे ही मदरसा बुखारिया फरीदिया फखनपुर में 3 शिक्षक, दारुल उलूम कादरिया दाएरा शाह अहमद के प्रधानाचार्य व एक शिक्षक, मदरसा दारुल उलम अहले सुन्नत गौसिया मस्तान बाग बारा के प्रधानाचार्य व 3 शिक्षक और मदरसा जामिया करीमिया करीमपुरा के प्रधानाचार्य, छह शिक्षक व एक लिपिक की शैक्षिक योग्यता अपूर्ण पाई गई है। मिर्जापुर के मदरसा गौसिया इस्लामिया बेगपुर में शिक्षक–छात्र अनुपात मानक के विपरीत मिले। साथ ही मदरसे के प्रधानाचार्य, 4 शिक्षक व एक लिपिक शैक्षिक रूप से अयोग्य पाए गए हैं।

शिक्षक संगठनों ने जांच व कार्रवाई पर उठाए सवाल

ऑल इंडिया टीचर्स एसोसिएशन मदारिसे अरबिया के महासचिव वहीदउल्लाह खान सईदी ने रजिस्ट्रार को पत्र भेज कर मदरसा नियमावली–2016 के मानक से कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि जितने भी मदरसों को पत्र भेज कर शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता को अपूर्ण बताया गया है उनमें से ज्यादातर शिक्षकों की नियुक्ति नियमावली–1987 के मानकों पर हुई है। लिहाजा उनकी शैक्षिक योग्यता की जांच तत्कालीन नियमावली से की जाए।

किसानों का धरना, बोले–अधिकारी ने अभद्रता कीय कहा था–इतने मुकदमे लगवाऊंगा

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ में 28 अक्टूबर को भाकियू भानू गुट के पदाधिकारी के साथ तहसील परिसर में तैनात प्रशासनिक अधिकारी ने अभद्रता की थी। पदाधिकारी ने प्रशासनिक अधिकारी पर गाली–गालौज व धमकी का आरोप लगाते हुए एसीपी व एसडीएम को शिकायती पत्र दिया था। मामले मे कार्रवाई न होने पर भाकियू के प्रदेश प्रभारी ने धरना–प्रदर्शन का ऐलान किया था। किसान सोमवार को ब्लाक कार्यालय पर धरना–प्रदर्शन कर रहे हैं।

भारतीय किसान यूनियन (भानू गुट) के तहसील अध्यक्ष देवीदीन तहसील के पीछे परिसर में तहसीलदार आवास के पास मौजूद थे। तभी तहसील में तैनात एक प्रशासनिक अधिकारी अपने कर्मचारियो व गार्डो के साथ आए एक दूसरे से बातचीत होने लगी। बातचीत के बीच ही अधिकारी आक्रोशित हो गए। गाली–गालौज करते हुए कहा कि तहसील में धरना–प्रदर्शन करोगे ।

संक्षिप्त खबरें

प्राथमिक शिक्षकों की उपस्थिति के लिए हाईकोर्ट के निर्देश में बनी कमेटी

लखनऊ, (संवाददाता)। हाईकोर्ट के निर्देश पर परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने के लिए कमेटी बनाई गई है। इसे शिक्षक डिजिटल अटेंडेंस लागू होने से पहले की तैयारी मान रहे हैं। शिक्षकों ने कहा कि उन्हें डिजिटल अटेंडेंस या अन्य व्यवस्था से कोई परहेज नहीं है। बशर्ते पहले उन्हें सुविधाएं भी दी जाएं। उप्र. बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने कहा कि शिक्षकों को ईएल, सीएल, हाफ डे, चिकित्सा सुविधा लागू की जाए ताकि कभी विपरीत परिस्थिति में शिक्षक समय से स्कूल न पहुंचे तो इन छुट्टियों का प्रयोग कर सके। टीईटी अनिवार्यता के विरोध में अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने 11 दिसंबर को दिल्ली के जंतर मंतर पर धरने की घोषणा की है। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पांडेय ने संगठन के पदाधिकारियों को पत्र जारी कर जनसंपर्क करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि 11 दिसंबर तक केंद्र सरकार ने अगर कोई ठोस कदम नहीं उठाया तो जंतर मंतर धरने के बाद फरवरी 2026 में रामलीला मैदान से संसद तक रैली निकाली जाएगी। इसमें पूरे देश के शिक्षक शामिल होंगे।

विद्यार्थियों ने जाना कैसे बनते हैं हथियार

लखनऊ, (संवाददाता)। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रशासन विभाग के विद्यार्थियों ने रविवार को कानपुर स्थित एडवांस्ड वेपंस एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड का शैक्षिक भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने समझा कि किस तरह हथियार बनाए जाते हैं। कर्मचारी व अधिकारी काम कैसे करते हैं। छात्रों ने स्मॉल आर्म्स यूनिट और फील्ड गन फैक्ट्री जैसी प्रमुख इकाइयों को भी करीब से देखा। विभागाध्यक्ष प्रो. मुशीर अहमद ने बताया कि इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों के सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ना था।

बीबीएयू में 'लीगल ड्राफ्टिंग और एडवोकेसी स्किल' पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज (एसएलएस) के विधि विभाग द्वारा शनिवार को 'लीगल ड्राफ्टिंग और एडवोकेसी स्किल' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य विधि विद्यार्थियों को न्यायिक प्रक्रिया में आवश्यक तकनीकी और व्यावहारिक कौशल से परिचित कराना था।कार्यक्रम में माननीय पूर्व न्यायाधीश मोहम्मद हसन जैदी, इलाहाबाद उच्च न्यायालय लखनऊ खंडपीठ के अधिवक्ता राघवेंद्र प्रताप सिंह और विधि विभाग की विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक प्रो. सुदर्शन वर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे।इस दौरान विशेषज्ञ वक्ताओं ने विद्यार्थियों को एडवोकेसी स्किल, सिविल ड्राफ्टिंग, विधिक लेखन तथा साइबर अपराधों से बचाव की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने न्यायालयीन व्यवहार, तर्क–वितर्क की तकनीक और प्रभावी प्रस्तुति के महत्व पर विस्तार से चर्चा की।

वांछित शातिर अपराधी मड़ियांव पुलिस के हत्थे चढ़ा, तमंचा-कारतूस बरामद

लखनऊ, (संवाददाता)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के थाना मड़ियांव की पुलिस टीम ने रविवार को एक लंबे समय से फरार चल रहे शातिर अपराधी विजय अग्रवाल उर्फ गोलू उर्फ विजय कालिया को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक अवैध देशी तमंचा 315 बोर व दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। आरोपी पर हत्या, डकैती, लूट, गैंगस्टर और एनडीपीएस एक्ट जैसे गंभीर अपराधों के दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी के खिलाफ अदालत से गैर–जमानती वारंट जारी था और वह काफी समय से पुलिस की पकड़ से बाहर चल रहा था।जानकारी के अनुसार, मड़ियांव थाना पुलिस टीम अपराधों की रोकथाम और वांछित अपराधियों की तलाश में चौकी क्षेत्र केशवनगर में गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि गौरभीठ स्थित सिद्धेश्वर महादेव मंदिर के पास एक व्यक्ति अवैध हथियार के साथ मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचकर संदिग्ध व्यक्ति को घेराबंदी कर दबोच लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम विजय अग्रवाल उर्फ गोलू उर्फ विजय कालिया पुत्र हंसराज अग्रवाल निवासी सेक्टर सी, अलीगंज थाना विकासनगर लखनऊ, हालपता – ळब्ब्ळ कॉलेज के पास किराए के मकान, चंद्रिका देवी रोड थाना बीकेटी लखनऊ बताया। उसकी उम्र लगभग 42 वर्ष बताई गई है और वह पेशे से चालक है।पुलिस की तलाशी में आरोपी के कब्जे से एक अवैध देशी तमंचा 315 बोर और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। इसके बाद जब पुलिस ने आरोपी के आपराधिक इतिहास की छानबीन की तो यह सामने आया कि उसके खिलाफ हत्या, लूट, डकैती, गैंगस्टर एक्ट, एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट सहित 20 से अधिक गंभीर मुकदमे दर्ज हैं। इनमें से कई मामलों में वह फरार चल रहा था और न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश न्यायालय सं0–08 लखनऊ द्वारा सत्र परीक्षण सं0–569/2004, मुकदमा सं0–549/2003 (धारा 302/201/404 भादवि, थाना मड़ियांव) के संबंध में उसके खिलाफ गैर–जमानती वारंट जारी किया गया था।मड़ियांव पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसके विरुद्ध धारा 3ध्25 आर्म्स एक्ट के तहत नया मुकदमा पंजीकृत किया है। गिरफ्तारी और बरामदगी के दौरान पुलिस टीम ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय व मानवाधिकार आयोग के दिशा–निर्देशों का अक्षरशः पालन किया। आरोपी को विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है

महात्मा गांधी नरेगा से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और बुनियादी ढाँचा दोनों को मिल रहा सशक्त आधार

लखनऊ, (संवाददाता)। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (महात्मा गांधी नरेगा) ग्रामीण परिवारों की आजीविका संवर्धन के साथ–साथ गांवों के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभा रही है। इस योजना के माध्यम से हर वित्तीय वर्ष उन ग्रामीण परिवारों को गारंटीकृत रोजगार उपलब्ध कराया जाता है, जिनके वयस्क सदस्य अकुशल श्रम करने के इच्छुक होते हैं।महात्मा गांधी नरेगा केवल रोजगार देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण ढाँचागत विकास की एक मजबूत आधारशिला बन चुकी है। इस योजना के तहत जल संरक्षण संरचनाओं, ग्रामीण सड़कों, नालियों, चकरोडों और अन्य आवश्यक बुनियादी परिसंपत्तियों के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीण इलाकों में जीवन स्तर बेहतर हो रहा है।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के कुशल मार्गदर्शन में ग्राम्य विकास विभाग इस योजना के क्रियान्वयन को प्रभावी ढंग से सुनिश्चित कर रहा है। उन्होंने कहा कि "गांवों की गलियां ग्रामीणों की हाईवे जैसी हैं, इसलिए उन्हें दुरुस्त और स्वच्छ रखना आवश्यक है। योजना के अंतर्गत किए गए कार्य धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने चाहिए।" उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम पंचायतों में नाली, चकरोड निर्माण, पटरी मरम्मत, इंटरलॉकिंग, सीसी रोड एवं खड़ंजा निर्माण के कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जाए ताकि गांव स्वच्छ और सुंदर बने रहें और ग्रामीणों का जीवनस्तर ऊँचा हो।ग्राम्य विकास विभाग के अनुसार, वर्ष 2017–18 से अब तक ग्रामीण संयोजकता के 5,60,474 कार्य पूरे किए जा चुके हैं। वहीं, चालू वित्तीय वर्ष 2025–26 में अब तक 42,060 कार्य पूरे किए गए हैं, जिन पर 44,603.03 लाख रुपये की धनराशि व्यय की गई है।आयुक्त ग्राम्य विकास जी.एस. प्रियदर्शी ने बताया कि ग्रामीण संयोजकता विभाग की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल है। राज्य सरकार की मंशा, भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के निर्देशों एवं योजना की गाइडलाइन के अनुरूप, मनरेगा से नाली, चकरोड निर्माण, पटरी मरम्मत, इंटरलॉकिंग, सीसी रोड एवं खड़ंजा निर्माण के कार्य निरंतर कराए जा रहे हैं, जिससे गांवों में आवागमन सुगम हो रहा है और जलभराव जैसी समस्याओं का समाधान भी सुनिश्चित हो रहा है।

संक्षिप्त खबरें

लखनऊ में मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

लखनऊ, (संवाददाता)।) महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति 5.0 के तहत पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की पिंक बूथ 61 टीम द्वारा रविवार को डालीगंज रेलवे स्टेशन परिसर में महिलाओं, छात्राओं, बुजुर्गों और बच्चों को जागरूक किया गया। थाना मदेयगंज की महिला पुलिसकर्मियों ने लोगों को महिला सुरक्षा से संबंधित पुलिस हेल्पलाइन नंबरों, सरकारी योजनाओं, साइबर क्राइम से बचाव और नए कानूनों की जानकारी दी।इस अवसर पर महिला हेड कांस्टेबल ज्योति, महिला कांस्टेबल आंचल सिंह और आशा कुमारी ने उपस्थित जनसमूह को बताया कि पिंक बूथ उत्तर प्रदेश सरकार की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य हिंसा से प्रभावित महिलाओं को एकीकृत सहायता और सुरक्षा प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि पिंक बूथ घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, यौन शोषण या किसी भी प्रकार की हिंसा का सामना कर रही महिलाओं के लिए एक सुरक्षित आश्रय और सहायता केंद्र के रूप में कार्य करता है। मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर के निर्देशन में लखनऊ कमिश्नरेट के 54 थानों पर मिशन शक्ति केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां महिला शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए विशेष पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।कार्यक्रम के दौरान पिंक बूथ टीम ने करीब 25 से 30 महिलाओं, छात्राओं और बच्चों को मिशन शक्ति अभियान के बारे में विस्तार से बताया। उन्हें महिला पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्डलाइन 1098, नागरिक कॉल सेंटर 1076, अग्निशमन 101, एम्बुलेंस 102, आपातकालीन सेवा 112 और साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 जैसे महत्वपूर्ण नंबरों की जानकारी दी गई।

उत्तर प्रदेश में शहरी विकास की नई दिशा का उदाहरण बनेगा लखनऊ

लखनऊ, (संवाददाता)। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर की अध्यक्षता में चल रहे नेशनल अर्बन कॉनक्लेव के दूसरे दिन उत्तर प्रदेश के नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने राज्य में हो रहे शहरी विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी साझा की। इस अवसर पर भारत सरकार के राज्य मंत्री टोकन साहू और मंत्रालय के सचिव भी उपस्थित रहे। शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत विजन में नगरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि "प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत का चेहरा होंगे हमारे नगर," और इसी दिशा में उत्तर प्रदेश ने बीते वर्षों में ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं।शर्मा ने बताया कि शहरी प्रबंधन एक गंभीर विषय है, किंतु प्रधानमंत्री के नेतृत्व में इस दिशा में देशभर में अभूतपूर्व प्रयास शुरू हुए हैं। उत्तर प्रदेश में भी इसी सोच के अनुरूप नवाचारपूर्ण कदम उठाए गए हैं, जिनके परिणाम अब देश और दुनिया में मिसाल बन रहे हैं। उन्होंने लखनऊ के शिवरी कूड़ा प्रोसेसिंग प्लांट का उदाहरण देते हुए कहा कि यह एक वैश्विक सफल गाथा बन चुका है, जहाँ पिछले 60 वर्षों से जमा 20 लाख टन कूड़े में से तीन–चौथाई से अधिक को प्रोसेस कर उपयोगी वस्तुएँ बनाई गई हैं। यहाँ की 21 एकड़ भूमि को खाली कर सुंदर पार्क, कार्यालय भवन और बैठक हॉल तैयार किए गए हैं, जबकि शेष कचरा भी अगले कुछ महीनों में पूरी तरह साफ हो जाएगा।

बेहतर कल के लिए परीक्षार्थियों ने दिखाया उत्साह

लखनऊ, (संवाददाता)। हमारा कल बेहतर हो और आगे की पढ़ाई जारी रहे ताकि हम अपने सपने साकार कर सकें। इसी उम्मीद के साथ रविवार को राजधानी के दो परीक्षा केंद्रों पर भारी संख्या में परीक्षार्थी अतुल माहेश्वरी छात्रवृत्ति परीक्षा–2025 में शामिल हुए। परीक्षा का आयोजन सुबह 11 बजे से होना था लेकिन परीक्षार्थी सुबह सात बजे से ही केंद्रों पर पहुंच गए। छात्रवृत्ति परीक्षा–2025 का आयोजन लखनऊ में सीतापुर रोड स्थित सेंट जोसेफ स्कूल और पारा स्थित अवध कॉलेजिएट में किया गया। परीक्षा देने लखनऊ के साथ ही हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, सीतापुर सहित कई पड़ोसी जनपद के विद्यार्थी पहुंचे। अवध कॉलेजिएट स्थित परीक्षा केंद्र पर पंजीकृत 598 विद्यार्थियों में से 222 ने परीक्षा दी। सेंट जोसेफ स्कूल सीतापुर रोड केंद्र पर पंजीकृत 1114 परीक्षार्थियों में से 363 ने परीक्षा दी। परीक्षार्थियों का कहना था कि आगे की पढ़ाई के लिए यह छात्रवृत्ति बेहद मददगार साबित हो सकती है। इसके आयोजन में सेंट जोसेफ स्कूल के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के साथ ही शिक्षक प्रिया सिंह, मुदित अग्रवाल, मनीष सिंह, अविरल आनंद, हिमानी मुखी, नीलू गुप्ता, लता लोहानी, अमिता सिंह, पल्लवी, समरीन, रितु ने अहम योगदान दिया। इसी तरह अवध कॉलेजिएट परीक्षा केंद्र पर विद्यालय के प्रबंधक सर्वजीत सिंह, निदेशक जतिंदर वालिया, प्रधानाचार्या देबजानी मुखर्जी के साथ ही तजिंदर कौर, संजू सिंह और अमित कुमार मिश्र ने सहयोग किया। अतुल माहेश्वरी छात्रवृत्ति परीक्षा में सफलता मिले या न मिले लेकिन ज्ञान का विकास जरूर हुआ है। इससे अन्य परीक्षा की तैयारियों का भी अंदाजा लगा है कि किसी परीक्षा के लिए कितनी तैयारी करनी है। आज की परीक्षा से भविष्य में भी मदद मिलेगी। पिता का देहांत हो गया है। घर में आर्थिक तंगी है। इस परीक्षा से उम्मीद बहुत है। सफलता मिलेगी तो कम से कम आगे की पढ़ाई आसान होगी। किताबें ले सकूंगा, फीस भर सकूंगा और घर के काम में भी मदद मिलेगी। सवाल अच्छे थे और परीक्षा थी ठीक हुई है। आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए अतुल माहेश्वरी छात्रवृत्ति योजना लाभकारी है। परीक्षा अच्छी हुई है। सफलता मिलेगी तो कम से कम आर्थिक सहायता मिलेगी। परीक्षा देकर ऐसा लगा कि किसी नौकरी के लिए परीक्षा दे रहा हूं। मेरे घर अखबार आता है और मैं इसे नियमित रूप से पढ़ती हूं। प्रतियोगी परीक्षा में ज्यादातर सवाल अखबार से ही पूछे गए थे। पेपर अच्छा हुआ है। कम से कम 75 से 80 प्रश्न सही होने चाहिए। उम्मीद है कि इस परीक्षा में सफलता जरूरत मिलेगी। तीन वर्ष पहले पिता का देहांत हो गया था। घरवालों के पास इतने पैसे नहीं कि आगे की पढ़ाई हो सके। इस बार हाईस्कूल की परीक्षा है। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी तो कम से कम आर्थिक मजबूती मिलेगी। इस परीक्षा से उम्मीद बहुत है। इस परीक्षा के लिए करीब पांच महीने से तैयारी कर रही थी। परीक्षा अच्छी हुई है। सफलता मिली तो आगे की पढ़ाई आसान होगी और इंटरमीडिएट के साथ ही आगे की राह आसान होगी।

चौक थाना पुलिस ने तीन शातिर पर्स स्नैचरों को धर दबोचा, नकदी

लखनऊ, (संवाददाता)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के थाना चौक की पुलिस टीम ने रविवार को तीन शातिर पर्स स्नैचरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूटी गई नकदी, अवैध हथियार और घटना में प्रयुक्त स्कूटी बरामद की है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों ने कुछ दिन पहले मेडिकल कॉलेज चौराहे के पास एक महिला का पर्स छीनकर फरार हो गए थे। चौक पुलिस की सतर्कता और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर चार दिन के भीतर ही इस घटना का खुलासा कर दिया गया। मामले के अनुसार, 05 नवम्बर को तारिक अहमद निवासी रूपपुर खदरा थाना मदीयाव लखनऊ ने थाना चौक में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी भाभी से मेडिकल कॉलेज चौराहे के पास कुछ अज्ञात युवकों ने पर्स छीन लिया। इस पर चौक पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मामले की जांच शुरू की। प्रभारी निरीक्षक नागेश उपाध्याय के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदिग्ध युवकों की पहचान की। आज 09 नवम्बर की सुबह करीब 5रू15 बजे पुलिस टीम ने नेहरू युवा केंद्र गेट, रूमी गेट के पास घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्तों की पहचान अरुण कुमार पुत्र राजेश उर्फ रमेश निवासी मधुवन बिहार कॉलोनी बरावन कला, थाना दुबग्गा, लखनऊ (उम्र 21 वर्ष, रिक्शा चालक), अल्ताफ पुत्र स्वर्गीय अब्दुल जब्बार निवासी छोटी कॉलोनी बसंत कुंज, थाना दुबग्गा, लखनऊ (उम्र 20 वर्ष, बाल कटिंग का काम करने वाला), और मोहम्मद दानिश पुत्र मोहम्मद मुसीर निवासी मछली मंडी के पीछे सफेद मस्जिद के पास, यूनिटी कॉलेज, थाना दुबग्गा, लखनऊ (उम्र 19 वर्ष, वाटर कूलर मरम्मत कार्य) के रूप में हुई है।पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटे गए।

डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर आरपीआई (आठवले) करेगी लखनऊ में भव्य महिला सम्मेलन

लखनऊ, (संवाददाता)। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) उत्तर प्रदेश का महिला प्रकोष्ठ आगामी 6 दिसंबर को परम श्रद्धेय बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर लखनऊ में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन करेगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बाबा साहेब द्वारा महिला अधिकारों और समानता के लिए किए गए ऐतिहासिक कार्यों को जन–जन तक पहुँचाना तथा महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। इस अवसर पर महिला सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय को सशक्त बनाने के लिए नई रणनीतियों पर विचार–विमर्श होगा।पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पवन भाई गुप्ता ने हजरतगंज स्थित प्रदेश कार्यालय में महिला प्रकोष्ठ की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने महिलाओं के अधिकारों के लिए ऐतिहासिक कार्य किए। उन्होंने संविधान में महिलाओं को समानता, सम्मान और न्याय का अधिकार दिलाया। बाबा साहेब ने हिंदू कोड बिल के माध्यम से महिलाओं को संपत्ति, तलाक और पुनर्विवाह जैसे अधिकार दिए। उनका मानना था कि किसी भी समाज की प्रगति इस बात से तय होती है कि वहां की महिलाएं कितनी शिक्षित और आत्मनिर्भर हैं। उन्होंने महिलाओं के लिए शिक्षा, समान अवसर और आत्मनिर्भरता को सबसे बड़ी ताकत बताया।महिला प्रकोष्ठ की कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष शानू मल्ल कौशल ने कहा कि बाबा साहेब की पुण्यतिथि को समर्पित यह आयोजन महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के संकल्प को और मजबूत करेगा। उन्होंने बताया कि महिला प्रकोष्ठ की टीम पूरे प्रदेश में भ्रमण कर महिलाओं को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की योजनाओं की जानकारी देगी और उन्हें इन योजनाओं से लाभान्वित करने में

मदद करेगी। साथ ही, महिलाओं के साथ हो रहे अन्याय और शोषण के खिलाफ प्रभावी रूप से आवाज बुलंद की जाएगी।इसी क्रम में आरपीआई (आठवले) के युवा प्रकोष्ठ की बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें प्रदेशभर से आए पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में निर्णय लिया गया कि युवा प्रकोष्ठ हर जिले में युवाओं को जोड़ने और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए व्यापक अभियान चलाएगा। प्रदेश अध्यक्ष पवन भाई गुप्ता ने बताया कि 29 मार्च 2026 को लखनऊ में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) की एक ऐतिहासिक रैली आयोजित की जाएगी, जिसमें पूरे प्रदेश से लगभग तीन लाख लोगों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है।उन्होंने कहा कि 10 नवंबर से संगठन विस्तार अभियान को नई गति दी जाएगी। इस दौरान प्रत्येक मंडल में विशेष बैठकें, सदस्यता अभियान, पदाधिकारी सम्मेलन और कार्यकर्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही जन–जागरण यात्रा, सामाजिक न्याय पदयात्रा और दलित–बहुजन संवाद अभियान के माध्यम से पार्टी का संदेश गाँव–गाँव तक पहुँचाया जाएगा, ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सामाजिक न्याय और समानता का विचार पहुँचे।बैठक में महिला प्रकोष्ठ से कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष शानू मल्ल कौशल, प्रदेश उपाध्यक्ष अंजुल चौधरी, रुचि शुक्ला, सदस्य नसीमा कुरैशी, नारायणी श्रीवास्तव, प्रदेश सचिव सुमन जायसवाल, महानगर उपाध्यक्ष गीता शर्मा और आरती कनौजिया उपस्थित रहीं। युवा प्रकोष्ठ की ओर से प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अभिनव सिंघल, प्रदेश महामंत्री सचिन प्रताप सिंह, प्रभारी अनुराग सिंह, जिलाध्यक्ष सुभाष गौड़, शिवानंद वाल्मीकि, अभिनंदन सिंह यादव, अकबर अली, हारून, तौसीफ, खुर्शीद और भूरा सहित अनेक युवा पदाधिकारी शामिल हुए।

स्वामी कल्याणानंद समाज कल्याण शिक्षा समिति का त्रिदिवसीय वार्षिकोत्सव का हुआ समापन

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) स्वामी कल्याणानंद समाज कल्याण शिक्षा समिति न्यौरादेव के तत्वाधान में स्वामी कल्याणानंद पीजी कॉलेज में आयोजित स्थापना दिवस के 14वें त्रिदिवसीय वार्षिकोत्सव का समापन मंगलवार को छात्र छात्राओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति और पुरस्कार वितरण के साथ संपन्न हुआ। समापन दिवस पर कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्षा ने अपने उद्बोधन में कहा कि बच्चों तुम्हारी मुट्ठी में क्या है,मुट्ठी में है हम सबकी तकदीर,भविष्य के निर्माता और विकसित भारत के सपने हैं। विद्यार्थी पुस्तकों को अपना साथी बनाकर जीवन को संवार सकते हैं। उनका कहना था कि आवश्यकता के अनुसार मोबाइल प्रयोग करें परन्तु मोबाइल पर निरर्थक समय बर्बाद न करें। जिला महिला अध्यक्ष अलका गुप्ता ने कहा, बच्चों ने नाटक के माध्यम से भोजन को बर्बाद करने, शिक्षा का व्यापार और कृष्ण सुदामा प्रस्तुति से जो समाज के लिए संदेश दिया है हम सबके जीवन में और व्यवहार में लाना चाहिए।ओम शांति बहन मालती दीदी ने संस्कार पूर्ण,चरित्र निर्माण की शिक्षा पर जोर दिया। कक्षा 11 के छात्रों द्वारा वेस्टेज भोजन,कक्षा 7 के छात्र छात्राओं शिक्षा का व्यापार, कृष्ण सुदामा नाटक के माध्यम से समाज पर करारा व्यंग्य किया,जिसे सभी लोगों ने सराहा।पुरस्कार वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। समापन दिवस पर कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्रेमावती,विशिष्ट अतिथियोंअलका गुप्ता,राजेंद्र सिंह,संस्थापक हर्ष वर्धन सिंह, प्रबंधक सुनीता सिंह,क्षमा सिंह,समाज सेवी राजवर्धन सिंह राजू ग्राम प्रधान संघ अध्यक्ष शरद सिंह,अरविंद सिंह,पम्मी त्रिपाठी और ओम शांति बहनो ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर मां सरस्वती और महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण किया। उप प्रबंधक यश वर्धन सिंह और हृदयेश वर्धन सिंह ने आए हुए मुख्य अतिथि,विशिष्ट अतिथियों का स्वागत शॉल ओढ़ाकर एवं तुलसी पौधा भेंटकर किया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत गाया। समापन अवसर पर शकुंतला देवी,मिशन आत्म संतुष्टि के संचालक समाजसेवी राजवर्धन सिंह राजू,अरविंद सिंह,ओम शांति पिहानी चुंगी प्रबंधक बहनें बी के मालती,कल्पना,लवली,रुचि,पिंकी,पूर्व ब्लॉक प्रमुख माधोगंज, अरविंद कन्नौजिया,सुधीर श्रीवास्तव, इंस्पेक्टर सिंह, स्वदेशी जागरण मंच के जिला संयोजक अवनीश द्विवेदी,गौसेवा गतिविधि आर एस एस अवध प्रांत अशोक सिंह लाल,स्वाति सिंह,देवाशीष सिंह अंबुज सिंह आदि उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल में सीएमएस की नाक के नीचे चल रही दलाली,मरीज परेशान

अयोध्या। रामनगरी के जिला अस्पताल में एक बार फिर प्रशासनिक मिलीभगत और घोर लापरवाही का चौंकाने वाला मामला सामने आया है।सोमवार देर रात की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। जिसमें इमरजेंसी फार्मेसी काउंटर पर फार्मासिस्ट की सीट पर एक अनाधिकृत युवक बैठा हुआ साफ दिखाई दे रहा है।वह रजिस्टर भर रहा है।हैरानी की बात यह है कि ठीक बगल में अस्पताल के ईएमओ डॉ. वीरेंद्र वर्मा भी बैठे हुए हैं,लेकिन उन्होंने इस गैरकानूनी गतिविधि पर कोई आपत्ति नहीं जताई।प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजेश सिंह की नाक के नीचे यह दलाली और अवैध कामकाज खुलेआम चल रहा है।सूत्रों का दावा है कि यह युवक न तो अस्पताल का कोई कर्मचारी है और न ही उसके पास फार्मासिस्ट की कोई वैध डिग्री या अनुमति है। फिर भी वह मरीजों को दवाइयां जारी करने का काम कर रहा था। यह कोई पहला मामला नहीं है। कुछ महीने पहले ही जिला अस्पताल में फर्जी डिग्री धारी डॉक्टर विनोद सिंह का मामला उजागर हुआ था, जिसने पूरे विभाग की पोल खोल दी थी। इसके अलावा हाल ही में ओपीडी नंबर–3 में भी एप्रन पहने एक बाहरी युवक की तस्वीर वायरल हुई थी, जो मरीजों का इलाज करते पकड़ा गया था। अस्पताल के अंदर यह सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा। मरीजों की जान से खिलवाड़ करने वाले ये तथाकथित दलाल और फर्जी स्टाफ खुलेआम घूम रहे हैं, ।

संक्षिप्त खबरें

पटरंगा पुलिस ने किया अभियुक्त को गिरफ्तार

अयोध्या। थाना पटरंगा पुलिस ने एल्युमिनियम कारोबारी से पांच लाख रुपये लेकर फरार होने वाला पिकअप चालक अभियुक्त को रुपयो के साथ गिरफ्तार किया।इस संबंध मे प्रभारी निरीक्षक पटरंगा शशिकांत यादव ने बताया कि उन्होंने उ0नि0 विकास कुमार के साथ मंगलवार को आरोपी मंगलेश कुमार पुत्र नरेश कुमार निवासी ग्राम पल्हरी जैदपुर रोड कोतवाली नगर बाराबंकी को मियां का पुरवा ओवरब्रिज थाना पटरंगा अयोध्या के पास से गिरफ्तार किया।बताया कि बाराबंकी निवासी एल्युमिनियम कारोबारी का माल पिकअप गाड़ी पर लादकर अभियुक्त मंगलेश अकबरपुर जनपद अम्बेडकर नगर गया था।अभियुक्त द्वारा माल का प्राप्त 5 लाख रुपया वापस आकर व्यापारी को न देकर पिकअप गाड़ी थाना पटरंगा क्षेत्र में हाइवे पर खड़ी कर सात नवंबर को 5 लाख रुपये लेकर फरार हो गया था।जिसे पुलिस ने गिरफ्तार किया।

हरदोई के हार्दिक ने मद्रास आईआईटी की स्पर्धा में सर्वोच्च स्थान पाकर जिले का मान बढ़ाया

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) हरदोई के हार्दिक ने मद्रास आईआईटी की स्पर्धा में सर्वोच्च स्थान पाकर जिले का मान बढ़ाया। आई आई टी मद्रास में प्समन्वयष् द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में हार्दिक गुप्ता सुपुत्र पूर्ण कुमार गुप्ता ने एक व्यापारिक मेले में अपने क्षमताओं का प्रदर्शन करते हुये सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। हार्दिक ने फ्मैरीन से सन्दर्भितष् सूत्र का विश्लेषण करते हुये यह उपलब्धि प्राप्त की है मद्रास आईआईटी द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता प्रतिभागियों को वास्तविक व्यापारिक परिस्थिति पर आधारित एक केस का विश्लेषण कर रणनीतिक समाधान प्रस्तुत करना था। हार्दिक ने अपने उत्कृष्ट विश्लेषण, वित्तीय मॉडलिंग और रणनीतिक दृष्टिकोण के दम पर निर्णायकों को प्रभावित किया और सर्वोच्च स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता की निर्णायक मंडली में ए 2बी (अद्यान आनंद भवन) के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री रमेश नारायण सहित उद्योग जगत के अनुभवी विशेषज्ञ शामिल थे। निर्णायकों ने हार्दिक के प्रस्तुतीकरण को "व्यवहारिक, सटीक और नवाचारपूर्ण" बताया। इस प्रतियोगिता के गोल्ड स्पॉन्सर इंडियन ऑयल, इवेंट पार्टनर आईआईटीएम फील्डकस स्मार्ट सेंटर, एसबीआई, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, ग्रांटथारनोन रही वहीं स्नैकिंग पार्टनर साउथ इंडिया की स्वीट करन काफी तो प्लेटफॉर्म पार्टनर के रूप में यूनस्टॉप के अलावा एनजी पार्टनर ओएनजीसी रही। हार्दिक की इस उपलब्धि पर उसके संस्थान ने बधाई दी है।

दिल्ली धमाके के बाद रामनगरी रहा हाई अलर्ट,डीएम एसएसपी सहित अन्य पुलिसकर्मियो ने चलाया चेकिंग अभियान

अयोध्या।सोमवार की शाम दिल्ली बम हादसे के बाद राम जन्मभूमि मंदिर परिसर, हनुमानगढी के अलावा शहर से लेकर जिले के सभी थाना क्षेत्र में संबंधित सर्किल के सीओ थाना प्रभारी व चौकी प्रभारी के साथ सघन चेकिंग अभियान चलाया।इस मौके पर खास कर चार पहिया वाहनों के डिग्रियो तथा उसमें रखे सामानों की सुरक्षाकर्मियो नेपाली की से निरीक्षण किया।इस मौके पर अयोध्या धाम में निखिल टीकाराम फुंडे व एसएसपी डाक्टर गौरव ग्रोवर ने एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी सीओ अयोध्या देवेश चतुर्वेदी के तथा अन्य पुलिस कर्मियों के साथ राम जन्मभूमि मंदिर परिसर, हनुमान गढी, नया घाट सहित अन्य प्रमुख स्थान व चौराहा पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया। उनके अलावा शहर के देवकाली तिराहा,देवकाली बाईपास,चौक,रीडगंज गुदरी बाजार नियम रिकाबगंज सहित अन्य प्रमुख चौराहे व स्थानों पर सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह ने प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी पाण्डेय,थानाध्यक्ष कैंट पंकज सिंह व चौकी प्रभारियों के साथ खासकर चार पहिया वाहनों की डिग्गियों व सामानो का निरीक्षण करते हुए दिखाई दिये। वही थानाध्यक्ष कुमारगंज ओम प्रकाश, थानाध्यक्ष पटरंगा शशिकांत, थानाध्यक्ष रुदौली संजय मौर्या, थानाध्यक्ष हैदरगंज विवेक राय,प्रभारी निरीक्षक कोतवाली बीकापुर लाल चंद सरोज, महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला सहित अन्य पुलिस कर्मियों ने वाहन चेकिंग अभियान चलाया।

शरीर, मन और आत्मा का सामंजस्य है जरूरी -कुलपति

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, 11नवंबर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग एवं वेलनेस सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में मनोवैज्ञानिक प्राथमिक उपचार पर छह दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलवार को हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 15 नवंबर तक विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया जा रहा है। मंगलवार को रज्जू भैया भौतिक विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान में प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने कहा कि हमें जीवन में केवल खुशी पाने की इच्छा नहीं रखनी चाहिए, बल्कि जो काम हम कर रहे हैं उसे खुशी के साथ करना चाहिए। उन्होंने बताया कि जब हम पढ़ाई या ज्ञान प्राप्ति जैसे कार्यों को आनंदपूर्वक करते हैं, तो उसकी उत्पादकता स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि हमारी लाइफस्टाइल ऐसी होनी चाहिए, जिससे हमारा शरीर, मस्तिष्क और आत्मा तीनों प्रसन्न और समन्वित रहें।कार्यक्रम में जौनपुर जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम टीम के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के विविध पहलुओं पर चर्चा की । मनोचिकित्सक डॉ. दिलीप कुमार चौरसिया ने कहा कि मानसिक रोगों का एक प्रमुख कारण जीवन में अनावश्यक तनाव लेना है। हमें प्रसन्न रहने के लिए संतुलित जीवन शैली और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना चाहिये। क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट राम प्रकाश पाल ने कहा कि जैसे शारीरिक बीमारियों का इलाज जरूरी है, वैसे ही मानसिक बीमारियों के लिए भी समाज को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा 'स्टिग्मा' (कलंक) तोड़ना जरूरी है। सामाजिक कार्यकर्ता मनोज वैज्ञानिक विकास सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित अभियान चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि परिवार का मानसिक स्वास्थ्य में बड़ा योगदान होता है। उन्होंने झाड़–फूंक जैसी पारंपरिक गलत धारणाओं से बचने की सलाह दी और 'टेली–मानस' कार्यक्रम की जानकारी दी, जिसके माध्यम से लोग फोन पर मानसिक स्वास्थ्य परामर्श प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र सोमवार की शाम विश्वविद्यालय परिसर स्थित द्रौपदी महिला छात्रावास में आयोजित किया गया था।समन्वयक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने विषय प्रवर्तन किया । डॉ. आयोजन सचिव डॉ.अन्नू त्यागी ने मनोवैज्ञानिक प्राथमिक उपचार के सिद्धांत लुक, लिसन, लिंक को विस्तार पूर्वक बताया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मनोज पाण्डेय ने किया । इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद यादव, डॉ. शशिकांत यादव समेत विभिन्न संकायों के विद्यार्थी उपस्थित रहे ।

योग गुरु बाबा रामदेव नें 15 योग शिक्षकों को मुख्य योग शिक्षक की उपाधि देकर किया दीक्षित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर –योग गुरु बाबा रामदेव की प्रेरणा से पतंजलि योग समिति के सह राज्य प्रभारी अचल हरीमूर्ति के दिशा निर्देशन में लोहिया पार्क में 60 दिवसीय योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभाग करनें वाले 15 योग शिक्षकों को पतंजलि योगपीठ हरिद्वार में योग गुरु बाबा रामदेव के द्वारा एडवांस योग प्रशिक्षण शिविर को देकर इन्हें मुख्य योग शिक्षक की उपाधि देते हुए दीक्षित किया गया है। पतंजलि योगपीठ में 5 नवंबर से 9 नवंबर तक आयोजित एडवांस योग प्रशिक्षण शिविर में प्रातः 5 बजे से रात्रि 11 बजे तक योग के क्रियात्मक और सैद्धांतिक पक्षों का कठिन प्रशिक्षण देते हुए सभी साधकों का विविध प्रकार के परीक्षाओं से गुजारते हुए मुख्य योग शिक्षक का प्रमाणपत्र दिया गया। श्री हरीमूर्ति के द्वारा बताया गया की ऐसे मुख्य योग शिक्षकों के माध्यम से जन जन को स्वस्थ और खुशहाल बनानें के लिए एक महाअभियान का स्वरूप देते हुए आसन, ध्यान और प्राणायामों को लोगों को बताकर उनके जीवन शैली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया जायेगा। इसके अतिरिक्त आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों में पंचकर्म, षट्कर्म के साथ समुचित आहार चिकित्सा की भी जानकारियां लोगों को दिया जाएगा। मुख्य योग शिक्षकों में राजन सिंह,वृतधारी शुक्ला, अनिल यादव, दीपक मौर्य, विरेन्द्र प्रताप यादव, चन्द्रशेखर सिंह, अंकित तिवारी,उत्तम जायसवाल, रामाकांत यादव, जितेन्द्र कुमार, सुजीत कुमार,जवाहर सिंह, चन्द्रजीत यादव, लालबहादुर, बृजेश यादव और शिवम सिंह हैं। पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी शंभुनाथ, शशिभूषण, डॉ हेमंत कुमार,सरिता सिंह, डॉ ध्रुव राज,प्रियंका राजपूत,राजकुमार, जगदीश, अर्जुन सिंह, त्रियंबकम मिश्रा,अरविन्द कुमार, सिकंदर और रामकुमार के साथ अनेकों पदाधिकारियों के द्वारा मुख्य योग शिक्षकों का हार्दिक स्वागत और अभिनन्दन करते हुए जनपद के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताई है।

पीएम मोदी के हाथों होगा श्रीराम मंदिर के मुख्य शिखर पर ध्वजारोहण,161 फीट ऊंचे शिखर समेत 7 मंदिरों पर पहली बार लहराएगा भगवा ध्वज

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या एक बार फिर इतिहास रचने जा रही है।पांच सौ वर्षों के संघर्ष के बाद रामलला अपने भव्य मंदिर में तो विराजमान हैं ही, वहीं अब 25 नवंबर को विश्व इतिहास का एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं अयोध्या पहुंचकर श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के 161 फीट ऊंचे मुख्य शिखर पर भगवा ध्वज फहराएंगे। यह ऐतिहासिक क्षण होगा जब ध्वजारोहण कार्यक्रम के अंतर्गत राम मंदिर के सातों शिखर पहली बार भगवा ध्वज से सुशोभित होंगे। मुख्य शिखर के ठीक नीचे विराजमान रामलला की दृष्टि जैसे ही ध्वज पर पड़ेगी, तो यह एक अलौकिक घटना के रूप में देश–विदेश के करोड़ों सनातन धर्मावलंबियों की स्मृति में सदा के लिए अंकित हो जाएगी।योगी सरकार ने इस ध्वजारोहण समारोह को अब तक का सबसे भव्य आयोजन बनाने का संकल्प लिया है। स्वयं मुख्यमंत्री लगातार तैयारियों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उनके निर्देश पर वरिष्ठ अधिकारी और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारी कई दिनों से अयोध्या में डेरा डाले हुए हैं। तैयारियों की हर पल की जानकारी सीधे मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंचाई जा रही है।25 नवंबर को होने वाले इस आयोजन का सीधा प्रसारण दूरदर्शन सहित सभी प्रमुख न्यूज चौनलों एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर किया जाएगा। वहीं, श्रीराम जन्मभूमि परिसर में 200 फीट चौड़ी विशाल एलईडी स्क्रीन लगाई जाएगी। इसके साथ ही, अयोध्या के प्रमुख चौराहों (रामपथ तिराहा, सहादतगंज, टेढ़ी बाजार, नयाघाट पुल, रिकाबगंज, लता मंगेशकर चौक, सुग्रीव किला, राम की पैड़ी सहित 30 से अधिक स्थलों) पर बड़ी–बड़ी एलईडी स्क्रीनें लगाई जाएंगी, ताकि लाखों श्रद्धालु प्रधानमंत्री को मंदिर शिखर पर ध्वज फहराते हुए लाइव देख सकें।शहर को दीपोत्सव से भी अधिक भव्य रूप दिया जा रहा है। राम मंदिर परिसर को विशेष रोशनी से नहलाया जाएगा। जैसे ही, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिखर पर ध्वज फहराएंगे, वैसे ही पूरा शहर फूलों की मालाओं, रंग–बिरंगी लाइटों और भगवा ध्वजों से आच्छादित नजर आएगा। हर चौराहे पर भव्य तोरणद्वार बनाए जाएंगे, जिन पर सुनहरे अक्षरों में 'जय श्री राम' अंकित होगा।21 से 25 नवंबर तक चलने वाले अनुष्ठानों के दौरान नगर में अभूतपूर्व सांस्कृतिक आयोजन होंगे। दीपोत्सव और प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तरह प्रमुख चौराहों और स्थलों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के अधिकारी कलाकारों से संपर्क कर रहे हैं ताकि रामकथा, नृत्य, भजन और लोक प्रस्तुतियों से पूरे शहर का माहौल भक्तिमय बनेगा।नगर निगम की टीमें दिन–रात साफ–सफाई और सौंदर्यीकरण में लगी हैं। प्रमुख मार्गों की मरम्मत, घाटों पर रंग–रोगन, सड़क किनारे पौधारोपण कर फूलों के गमले सजाए जा रहे हैं। सरयू तट को भी स्वर्णिम रूप दिया जा रहा है। नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने बताया कि शहर को "प्राण प्रतिष्ठा समारोह" की तर्ज पर सजाया जा रहा है। हर गली–मोहल्ले को स्वच्छ और आकर्षक बनाया जा रहा है ताकि आने वाले लाखों श्रद्धालु अयोध्या की भव्यता को देख अभिभूत हो उठें। यह आयोजन केवल ध्वजारोहण नहीं, बल्कि रामनगरी की नई पहचान का प्रतीक होगा। यह एक ऐसा क्षण होगा जिसका पूरा देश साक्षी बनेगा और इस पावन स्मृति को युगों–युगों तक याद रखेगा।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में हुए ब्लास्ट के विरोध में कलेक्ट्रेट परिसर में अधिवक्ताओं ने किया प्रदर्शन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ,11 नवंबर। कलेक्ट्रेट परिसर में मंगलवार को अधिवक्ता संघ ने सोमवार की शाम दिल्ली में हुए बम धमाके के विरोध में प्रदर्शन किया। अधिवक्ताओं ने पूरे कलेक्ट्रेट परिसर में नारेबाजी करते हुए भ्रमण किया और न्यायिक कार्यों का बहिष्कार किया। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष घनश्याम सिंह ने बताया कि सोमवार शाम दिल्ली में हुए बम ब्लास्ट में

9 लोगों की मौत हुई और कई लोग घायल हुए हैं। प्रदर्शन के दौरान मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए। सिंह ने केंद्र सरकार से आतंकवादियों की रोकथाम के लिए संज्ञान लेने और उन पर कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि बम ब्लास्ट में मारे गए लोगों के परिजनों को 1 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी जाए। अधिवक्ताओं ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से इस मामले में कठोर कदम उठाने की अपील की। महामंत्री मनोज मिश्रा ने इस घटना को निंदनीय बताया। उन्होंने कहा कि दिल्ली जैसे स्थान पर ऐसी घटना होना चिंताजनक है। मिश्रा ने गृह मंत्री अमित शाह से घटना की जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता और घायलों के बेहतर उपचार की भी मांग की। मिश्रा ने सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लगने पर चिंता व्यक्त की।

जनपद स्तर की बाल वैज्ञानिक प्रतियोगिता का आयोजन किया

आज दिनांक। जनपद स्तर की बाल वैज्ञानिक प्रतियोगिता का आयोजन राजकीय जुबिली इंटर कॉलेज लखनऊ में बख्शी का तालाब इण्टर कालेज लखनऊ में जूनियर संवर्ग में अभयसिंह ने अपने मार्गदर्शक शिक्षक हरिश्चंद्र सिंह के साथ क्रियाकारी माडल कचरे को जलाकर विद्युत ऊर्जा प्राप्त करना और धुआं को पानी में मिलाकर पौधों को संरक्षित करना अपने नवाचार को प्रस्तुत किया सभी के लिए उपयोगी साबित होगा। सीनियर संवर्ग में समीक्षा वर्मा ने जल को कैसे संरक्षित करें और दूषित जल का उपयोग भी कर सकते हैं। अपने माडल प्रोजेक्ट को प्रस्तुत किया आने वाले समय में पानी उपलब्धता ध्यान आकृष्ट किया। यह दोनों बच्चों ने अपने मार्गदर्शक शिक्षक हरिश्चंद्र सिंह के मार्गदर्शन में विद्यालय में ही बनाए थे।

मारपीट में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत, ग्रामीणों ने लगाया जाम- केस दर्ज

गोरखपुर, (संवाददाता)। बांसगांव थाना क्षेत्र के हरनहीं चौकी अंतर्गत ग्राम सैरो बनटोला में बीते 6 नवंबर को हुई मारपीट की घटना में घायल सुरेंद्र यादव (55) की इलाज के दौरान शनिवार देर रात मौत हो गई। गुस्साए ग्रामीणों ने रविवार को खजनीदृसिकरीगंज मार्ग पर जाम लगाकर उच्च अधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग की। सूचना पर फोर्स संग मौके पर पहुंचे सीओ बांसगांव ने परिजनों को समझा बुझाकर शांत कराया। इसके बाद परिजन शव के अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए। जानकारी के अनुसार, गांव में ग्राम निधि से सुरेंद्र यादव के मकान के सामने आरसीसी सड़क का निर्माण कराया गया था। 6 नवंबर को गांव के ही परशुराम यादव, सुरेंद्र यादव, मुन्नी देवी और गीता देवी सड़क को क्षतिग्रस्त करने के लिए ट्रैक्टर से मिट्टी काट रहे थे। इसका विरोध जब सुरेंद्र यादव ने किया तो आरोपियों ने उस पर हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने सुरेंद्र के सिर को पोल से बार–बार टकराया, जब तक कि वह बेहोश होकर गिर नहीं गया।ग्रामीणों को एकत्रित होता देख आरोपी मौके से भाग निकले थे। घायल अवस्था में पत्नी संगीता देवी ने ग्रामीणों की मदद से सुरेंद्र को सावित्री नर्सिंग होम पहुंचाया, जहां हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने उसे लखनऊ रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान सुरेंद्र की शनिवार देर रात मौत हो गई। पत्नी संगीता देवी की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी परशुराम यादव, मुन्नी देवी, गीता देवी समेत अन्य के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया है। इधर, घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया। सूचना पर थानाध्यक्ष बांसगांव जितेंद्र कुमार सिंह मय फोर्स पहुंचे और भीड़ को समझाने–बुझाने का प्रयास किया। बाद में सीओ बांसगांव अनुज कुमार सिंह भी मौके पर पहुंचे और परिजनों से बातचीत की। अधिकारियों के आश्वासन पर परिजनों ने शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जाया। मृतक की पत्नी की तहरीर पर केस दर्ज कर लिया गया है। परिजनों को समझा बुझाकर शांत करा दिया था। पुलिस मौजूदगी में शव का अंतिम संस्कार करा दिया गयारू अनुज कुमार सिंह, सीओ बांसगांव पिता की मौत से घर में मचा कोहराम सुरेंद्र खेती बाड़ी के साथ मुंबई में भी काम करते थे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।